CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-164
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 19 सितम्बर 2024

आज का विचार

मानव जिस लक्ष्य में मन लगा देता है, उसे वह श्रम से हासिल कर सकता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उज्जैन में किया सफाई मित्रों का सम्मान

फिर उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन का शिलान्यास

उज्जैन। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उज्जैन में सबसे पहले स्वच्छता मित्रों के सम्मान समारोह में पहुंची। राष्ट्रपति ने सफाई मित्र रश्मि, शोभा बाई, अनिता बाई सहित अन्य को सम्मानित किया गया। इसके बाद राष्ट्रपति ने उज्जैन-इंदौर सिक्स लेन रोड का भूमिपूजन किया। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वच्छता कर्मचारियों को केंद्र सरकार द्वारा उनके शहर को दी गई रेटिंग के हिसाब से रुपये दिए जाएंगे। जिस शहर की रेटिंग एक हो उसके सभी सफाईकर्मियों को एक हजार रुपये, दो रेटिंग वालों को दो हजार रुपये। उज्जैन को तीन रेटिंग मिली है, इसलिए यहां के सफाईकर्मियों को 3 हजार रुपये दिए जाएंगे।

पहली उज्जैन यात्रा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की पहली उज्जैन यात्रा है, जिसमें में महाकालेश्वर मंदिर में अभिषेक-पूजन करेंगी और स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत मंदिर परिसर में श्रमदान करेंगीं। महाकाल महालोक का भ्रमण कर यहां पाषण से भगवान शिव और सप्त ऋषि की मूर्तियां बना रहे पुरी (ओडिसा) के शिल्पकार अक्षय महाराणा, आदित्य महाराणा, ईश्वरचंद्र महाराणा, प्रमोद ओझा से संवाद करेंगी। महाकाल महालोक का भ्रमण कर यहां पाषण से भगवान शिव और सप्त ऋषि की मूर्तियां बना रहे पुरी (ओडिसा) के शिल्पकार अक्षय महाराणा, आदित्य महाराणा, ईश्वरचंद्र महाराणा, प्रमोद ओझा से संवाद करेंगी।

मप्र में तिरंगे का अपमान, अशोक चक्र की जगह कलमा लिखकर फहराया

राष्ट्र गौरव अपमान अधिनियम के तहत केस

छतरपुर। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का मामला सामने आया है। जिले की घुवारा तहसील के अंतर्गत ग्राम पनया में एक समुदाय द्वारा राष्ट्रीय ध्वज पर अशोक चक्र की जगह अरबी भाषा में कलमा लिखकर फहराया गया। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता अमन साहू के आवेदन पर कार्रवाई करते हुए राष्ट्र गौरव अपमान अधिनियम 1971 की धारा 2 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। अमन साहू ने अपने आवेदन में लिखा है कि तिरंगा झंडे में अशोक चक्र की जगह अरबी भाषा में कलमा लिखा गया है, जो कि राष्ट्र ध्वज का अपमान है। तिरंगे पर अरबी भाषा में कलमा लिखने को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने चेतावनी दी है। परिषद ने कहा कि अगर जल्द ही इस मामले में आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद ने कहा है कि देश के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का अपमान किया गया है। अशोक चक्र को हटा कर उसकी जगह अरबी भाषा में कलमा लिखा गया है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तिरंगे पर उर्दू भाषा में लिखे कलमे की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हिंदू संगठन हरकत के आए और मामले में एफआईआर दर्ज कराई। इस मामले में छतरपुर के एसपी अगम जैन ने बताया की घुवारा तहसील के बमनौरा थाना क्षेत्र के पनया गांव में तिरंगे पर अरबी भाषा में कलमा लिखने का मामला सामने आया है।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले फेज में 58.19 प्रतिशत मतदान

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में पहले फेज के लिए बुधवार शाम 6 बजे वोटिंग खत्म हो गई। 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हुआ। शाम 5 बजे तक का मतदान प्रतिशत 58.19त्न रहा। फाइनल आंकड़े में मतदान प्रतिशत और बढ़ सकता है। शाम 5 बजे तक आए आंकड़ों के मुताबिक, किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23त्न और पुलवामा में सबसे कम 43.87त्न वोटिंग हुई। पहले फेज में 23.27 लाख मतदाता थे। बिजबेहरा विधानसभा सीट से पीडीपी की प्रत्याशी इल्तिजा मुफ्ती ने वोट डाला, वे पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी हैं। किश्तवाड़ से बीजेपी की कैंडिडेट शगुन परिहार ने भी वोट डाला। शगुन ने आरोप लगाया था कि किश्तवाड़ के बागवान मोहल्ले में बिना पहचान पत्र के वोट डलवाए गए। इसके बाद माहौल गर्म हो गया, जिसके चलते कुछ देर वोटिंग रुकी रही। पहले फेज की वोटिंग को लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले 35 हजार से ज्यादा विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने भी वोट डाले। उनके लिए कुल 24 स्पेशल बूथ बनाए गए थे। दिल्ली 4, जम्मू 19 और उधमपुर में 1 बूथ था। जम्?मू-कश?मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं।पिछली बार 2014 में हुए विधानसभा चुनाव में वोटिंग प्रतिशत 60.3 रहा था।

गूगल पर यूरोपीय कमीशन की ओर से लगाए गए 1.5 अरब यूरो के जुर्माने पर रोक

नई दिल्ली। विज्ञापन से जुड़े एंट्री ट्रस्ट केस में अदालत से गूगल को बड़ी राहत मिली है। आईटी कंपनी ने बुधवार को यूरोपीय संघ की ओर से पांच साल पहले लगाए गए 1.49 बिलियन यूरो के जुर्माने के खिलाफ दाखिल केस जीत लिया है। यूरोपीय कमीशन के जनरल कोर्ट ने गूगल के मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह यूरोपीय संघ की ओर से 2019 में लगाए गए जुर्माने को खारिज कर रहा है। गूगल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि न्यायालय ने आयोग के निर्णय को पूरी तरह से रद्द कर दिया। आयोग का निर्णय गूगल के विज्ञापन व्यवसाय के एक सीमित हिस्से पर लागू होता है। नियामकों ने गूगल पर आरोप लगाया था कि कंपनी ने थर्ड पार्टी साइट्स के साथ अपने समझौतों में खास तौर पर एक शर्त जोड़ी कि वे साइट्स गूगल की प्रतिद्वंदी कंपनियों की ओर से जारी विज्ञापन नहीं चलाएंगे। गूगल पर जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि उसकी शर्त के कारण वेबसाइट मालिकों और विज्ञापनदाताओं के पास बहुत सीमित विकल्प बचे थे। इसके कारण उन्हें ऊंची कीमतें चुकानीं पड़ी जिसका भार अंतत~ उपभोक्ताओं पर पड़ा। हालांकि जनरल कोर्ट ने गूगल को राहत देने वाले अपने फैसले में कहा कि कमीशन ने उक्त शर्त का मूल्यांकन करने में त्रुटि की। कमीशन यह साबित करने में विफल रहा कि गूगल की शर्त के कारण नवाचार प्रभावित हुआ, उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचा और इससे कंपनी (गूगल) को अपना एकाधिकार मजबूत करने में मदद मिली।

आतिशी 21 सितंबर को ले सकती हैं दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंजूरी के लिए भेज दिया। साथ ही उन्होंने नई मुख्यमंत्री आतिशी के शपथ ग्रहण के लिए 21 सितंबर की तारीख का प्रस्ताव भी राष्ट्रपति को भेजा है। इधर, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे चुके अरविंद केजरीवाल अपना सरकारी आवास छोड़ेंगे। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने बुधवार को कहा कि हमने सुरक्षा को लेकर उनसे कहा कि सरकारी आवास ना छोड़ें, लेकिन वे नहीं माने। एक दिन पहले 17 सितंबर को आप विधायक दल की मीटिंग में आतिशी को मुख्यमंत्री चुना गया था। इसके बाद केजरीवाल ने शाम को एलजी विनय सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। संजय सिंह ने कहा कि केजरीवाल अपनी सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ने जा रहे हैं। हम लोगों को चिंता है। केजरीवाल पर कई बार हमले हो चुके हैं। जब उनके माता-पिता घर में थे, तब भी उन पर हमला हुआ है। अभी यह तय नहीं हुआ है कि केजरीवाल कहां रहेंगे। उन्होंने कहा है कि वे जनता के बीच रहेंगे, जगह अभी तय नहीं है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस को लेकर डॉक्टरों का हड़ताल खत्म करने से इनकार

कोलकाता। कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स ने हड़ताल खत्म करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने ममता से एक और मीटिंग की मांग करते हुए चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत को ईमेल भेजा है, जिसमें कहा गया है कि अभी तक सभी मांगें नहीं मानी गई हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टरों ने राज्य सरकार से पुलिस कमिश्नर और हेल्थे सेक्रेटरी को हटाने समेत 5 मांगें की थीं। इसके लिए वे 40 दिन से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। 16 सितंबर को जूनियर डॉक्टर और ममता के बीच मीटिंग हुई थी। इसमें ममता ने डॉक्टरों की 5 में से 3 मांगें मान ली थीं। उन्होंने मंगलवार को पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को पद से हटाया था। उनकी जगह मनोज वर्मा को कमिश्नर बनाया गया। बुधवार सुबह प्रदर्शन जारी रखते हुए डॉक्टरों ने कहा कि अभी आधी जीत हुई। हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम का इस्तीफा जरूरी है।

चंद्रमा की चट्टानों और मिट्टी को पृथ्वी पर लाएंगे भारतीय

2040 तक भारतीय अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर पहुंचेंगे

नई दिल्ली केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और प्रदर्शित करने के लिए नए चंद्र मिशन चंद्रयान-4 को मंजूरी दी है। वहीं केंद्रीय कैबिनेट के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, चंद्रयान-4 मिशन का विस्तार किया गया है और इसका अगला कदम चंद्रमा पर मानव मिशन भेजना है। इस दिशा में सभी प्रारंभिक चरणों को मंजूरी दे दी गई है। इसके साथ ही वीनस ऑर्बिटर मिशन, गगनयान फॉलो-ऑन और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और अगली पीढ़ी के लॉन्च व्हीकल विकास को भी मंजूरी दी गई है। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-4 मिशन के तहत चंद्रमा की चट्टानों और मिट्टी को पृथ्वी पर लाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए कहा कि चंद्रयान-4 मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने (वर्ष 2040 तक नियोजित) और सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाने के लिए मूलभूत प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करेगा। इसमें डॉकिंग/अनडॉकिंग, लैंडिंग, पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी और चंद्र नमूना संग्रह और विश्लेषण को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रमुख प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशन चंद्रयान-4 के लिए कुल निधि की आवश्यकता 2,104.06 करोड़ रुपये है। वहीं इसरो अंतरिक्ष यान के विकास और प्रक्षेपण के लिए जिम्मेदार होगा। उद्योग और शिक्षाविदों की भागीदारी के साथ इस मिशन के अनुमोदन के 36 महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। सभी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को स्वदेशी स्तर पर विकसित किए जाने की परिकल्पना की गई है।

पीएम बोले- इससे सभी को गर्व होगा कैबिनेट ने चंद्रयान -4 मिशन को मंजूरी दे दी है। अब पीएम मोदी की तरफ से इसको लेकर बयान भी सामने आ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि इससे सभी को गर्व होगा कि चंद्रयान-4 को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है! इससे कई लाभ होंगे, जिसमें अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों में भारत को और अधिक आत्मनिर्भर बनाना, नवाचार को बढ़ावा देना और शिक्षा जगत को समर्थन देना शामिल है।

मिशन में कुछ अनोखी चुनौतियां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने महत्वाकांक्षी चंद्रयान-4 मिशन के लिए तैयारी कर रहा है, जिसका उद्देश्य चंद्रमा से नमूने वापस लाना है। हालांकि, पिछले मिशनों के विपरीत, चंद्रयान -4 मिशन में कुछ अनोखी चुनौतियां हैं। इसमें भारत द्वारा अब तक इस्तेमाल किया गया सबसे शक्तिशाली रॉकेट सिस्टम शामिल होगा। मिशन में कई लॉन्च शामिल हैं, जिसके बाद मॉड्यूल को अंतरिक्ष में इकट्ठा किया जाएगा। इसरो चीफ डॉ. एस. सोमनाथ ने कुछ महीनों पहले ही कहा था कि चंद्रयान-4 एक बार में लॉन्च नहीं होगा। इसे दो हिस्सों

लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद अंतरिक्ष में इसके मॉड्यूल्स को जोड़ेंगे। यानी डॉकिंग करेंगे। यही तकनीक भविष्य में भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने में मदद करेगी। इसरो ने इससे पहले ऐसा कुछ नहीं किया है। चंद्रयान-4 में 5 मॉड्यूल्स हैं- नीचे से- प्रोपल्शन मॉड्यूल, डिसेंडर मॉड्यूल, एसेंडर मॉड्यूल, ट्रांसफर मॉड्यूल और री-एंट्री मॉड्यूल। दो हिस्से एक दूसरे के साथ अंतरिक्ष में जोड़े जाएंगे। अलग किए जाएंगे।

इस साल स्पेस में होगा डॉकिंग-अनडॉकिंग टेस्ट इसरो चीफ ने कहा कि हमारे पास डॉकिंग यानी स्पेसक्राफ्ट के हिस्सों को जोड़ने की तकनीक है। यह काम धरती के अंतरिक्ष या फिर चंद्रमा के अंतरिक्ष दोनों जगहों पर कर सकते हैं। यानी पृथ्वी के ऊपर भी और चंद्रमा के ऊपर भी। हम इस तकनीक को डेवलप कर रहे हैं। डॉकिंग के प्रदर्शन के लिए इस साल अंत तकडॉकिंग-अनडॉकिंग टेस्ट किया जा सकता है।

2035 में बन जाएगा भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन

इसरो चीफ ने बताया था कि चंद्रयान-4 का रिव्यू, लागत, डिटेल स्टडी हो चुकी है। यह सरकार और इसरो के विजन 2047 का हिस्सा है। इसरो इस प्रयास में है कि 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बना ले। 2040 तक भारतीय को चंद्रमा पर भेज सके, वह भी अपनी तकनीक और क्षमता से। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन को कई टुकड़ों में लॉन्च करके अंतरिक्ष में ही जोड़ा जाएगा। इसका पहला हिस्सा एलवीएम3 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। उम्मीद है कि इसकी पहली लॉन्चिंग 2028 में होगी। इसके लिए अलग से प्रपोजल तैयार किया जा रहा है, जिसे सरकार के पास अप्रूवल के लिए भेजेंगे। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन पांच अलग-अलग हिस्सों को जोड़कर बनाया जाएगा, जिस पर हमारे वैज्ञानिक काम कर रहे हैं।

गगनयान मिशन की तैयारी भी पूरी

गगनयान मिशन की तैयारी भी पूरी हो चुकी है। अगले साल 2025 में तीन सदस्यों का दल पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर तीन दिनों के लिए अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। इस मिशन का पहला अनमैन्ड लॉन्च इस साल दिसंबर में श्रीहरिकोटा से होगा। इसरो का लक्ष्य है कि 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा पर कदम रखें। चंद्रयान-3 मिशन की कामयाबी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने की घोषणा की थी, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के भारत मंडपम में शुरू किया।

शुक्र ग्रह परिक्रमा मिशन को दी गई मंजूरी केंद्रीय य मंत्रिमंडल ने शुक्र ग्रह पर वैज्ञानिक अन्वेषण और शुक्र ग्रह के वायुमंडल, भूविज्ञान को बेहतर ढंग से समझने और इसके घने वायुमंडल की जांच कर बड़ी मात्रा में वैज्ञानिक आंकड़े जुटाने के लिए शुक्र ग्रह परिक्रमा मिशन (वीओएम) को भी मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट ने भारी-भरकम अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान को पृथ्वी की निचली कक्षा में 30 टन का पेलोड स्थापित करने की मंजूरी दी है।

मंडला, बालाघाट के बाद रतलाम में भी लहराए गए फिलिस्तीनी झंडे, केस दर्ज

रतलाम। मंडला और बालाघाट के बाद अब एमपी के रतलाम में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के जुलूस के दौरान कथित तौर पर फलस्तीनी झंडा लहराने की शिकायत पुलिस को मिली है। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना 17 सितंबर को हुई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) राकेश सखा ने बताया कि संजय पाटीदार की शिकायत के आधार पर स्टेशन रोड थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। एएसपी राकेश सखा ने कहा कि इस संबंध में एक वीडियो भी सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर झंडा लहराने वालों की पहचान की जा रही है। मामले की छानबीन जारी रही है। शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 197 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सनद रहे इससे पहले, मंडला और बालाघाट जिलों में भी इसी तरह के मामले दर्ज किए गए थे। छत्तीसगढ़ से भी ऐसी घटना सामने आई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, बालाघाट में पुलिस ने सोमवार को ईद-ए-मिलाद के अवसर पर जुलूस के दौरान फलस्तीन का झंडा लहराने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने एक नाबालिग को हिरासत में भी लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर वीडियो देखा और प्रेरित होकर फिलिस्तीन का झंडा लहराया। उल्लेखनीय है कि एमपी के मंडला में भी जुलूस के दौरान फिलिस्तीनी झंडा लहराए जाने की शिकायत मिली थी। मंडला के पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के मुताबिक, एक युवक ने चिलमन चौराहे पर कथित रूप से फलस्तीनी झंडा लहराया। आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया गया है। इस मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं मंडला कोतवाली थाना प्रभारी शफीक खान ने बताया था कि आरोपी फरदीन के साथ अन्य को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 197 (2) के तहत केस दर्ज किया है।

लाउडस्पीकर अगर गणेशोत्सव पर हानिकारक हैं तो ईद पर भी नुकसानदेह

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि यदि गणेश उत्सव के दौरान एक लेवल से ज्यादा तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाना हानिकारक है तो फिर ईद में भी उसका वही असर होता है। अदालत ने कहा कि गणेश उत्सव की तरह ही लाउडस्पीकर का तेज बजना ईद-मिलाद-उन-नबी के जुलूसों में भी गलत है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ ने ईद-मिलाद-उन-नबी के जुलूसों के दौरान 'डीजे', 'लेजर लाइट' आदि के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के अनुरोध वाली कई जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। जनहित याचिकाओं में दावा किया गया है कि न तो कुरान और न ही हदीस (धार्मिक पुस्तकों) में डीजे सिस्टम और लेजर लाइट के उपयोग का जिक्र है। पीठ ने गणेश उत्सव से ठीक पहले, पिछले महीने पारित आदेश का हवाला दिया, जिसमें त्योहारों के दौरान ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2000 के तहत उल्लेखित सीमा से अधिक शोर करने वाली ध्वनि प्रणालियों और लाउडस्पीकरों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने पर जोर दिया गया था। याचिकाकर्ताओं के वकील ओवैस पेचकर ने अदालत से अपने पहले के आदेश में ईद को भी जोड़ने की अपील की, जिस पर पीठ ने कहा कि इसकी आवश्यकता नहीं है क्योंकि आदेश में 'सार्वजनिक त्योहार' का उल्लेख किया गया है। अदालत ने याचिकाओं का निपटारा करते हुए कहा कि यदि यह गणेश चतुर्थी के मौके पर हानिकारक है तो ईद पर भी हानिकारक है। लेजर लाइट के इस्तेमाल पर पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे मनुष्यों पर ऐसी लाइटों के हानिकारक प्रभावों के बारे में वैज्ञानिक सबूत दिखाएं। पीठ ने कहा कि ऐसी याचिकाएं दायर करने से पहले उचित शोध किया जाना चाहिए। जजों ने कहा, आपने शोध क्यों नहीं किया? जब तक वैज्ञानिक रूप से यह साबित नहीं हो जाता कि इससे मनुष्यों को नुकसान होता है, हम ऐसे मुद्दे पर कैसे निर्णय ले सकते हैं? बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ताओं को प्रभावी निर्देश देने के सिलसिले में अदालतों की मदद करनी चाहिए। हम विशेषज्ञ नहीं हैं।

भागीरथपुरा से बैंककर्मी के चार वर्षीय बेटे का दिनदहाड़े अपहरण

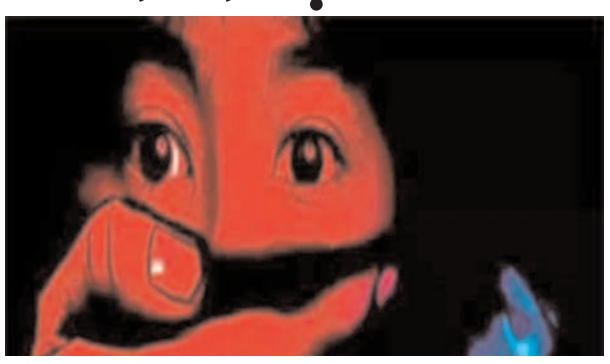

इंदौर। भागीरथपुरा से मंगलवार दोपहर चार वर्षीय बच्चा गायब हो गया। स्वजन ने बच्चे के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शक है कि बच्चे को बेहोश कर अगवा किया गया है। पुलिस और स्वजन बच्चे और आरोपितों की तलाश में जुटे है। सिल्वर कॉलोनी(धार)निवासी राहुल बागवान का चार वर्षीय बेटा किशू मंगलवार दोपहर भागीरथपुरा बगिया रोड़ से गायब हो गया। राहुल के मुताबिक मामा राधेश्याम कुकड़िया उर्फ बंटू के घर पर चौदस उद्यापन का कार्यक्रम था। राहुल की पत्नी पूजा,मां अनिता,पिता गुलाबसिंह,भाई रविंद्र भी किशू को लेकर इंदौर आए थे। दोपहर करीब 2 बजे बजे किशू घर के आंगन में खेल रहा था। सवा दो बजे पूजा ने देखा दूसरे बच्चे तो घर में आ गए लेकिन किशू गायब है। तत्काल उसकी तलाश शुरू कर दी। सूचना मिलते ही बाणगंगा और भागीरथपुरा पुलिस भी पहुंच गई। टीआई लोकेश सिंह भदौरिया के मुताबिक घटना स्थल पर सीसीटीवी कैमरे भी नहीं है। पुलिस ने नाले और गलियों में भी तलाश कर ली है। राहुल के मुताबिक किशू आसानी से किसी के पास जाता नहीं है। संभवत: उसको नशीला पदार्थ खिलाकर अगवा किया है। पुलिस के मुताबिक कालोनी में कुछ मिस्त्रियों ने बच्चे को खेलते हुए देखा था।

सीने में दर्द के बावजूद सात किलोमीटर बाइक चलाकर घर गए सेल्स मैनेजर की कार्डियक अरेस्ट से मौत

इंदौर। निजी बैंक के सेल्स मैनेजर नमन धाड़गे की कार्डिअक अरेस्ट से मौत हो गई। 30 वर्षीय नमन के सीने में दर्द हो रहा था। वह स्वयं बाइक से सात किमी बाइक चलाकर घर गए और बेहोश हो गए। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाया है। संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक मुराई मोहल्ला निवासी नमन पुत्र गोपाल धाड़गे को स्वजन मंगलवार शाम गंभीर अवस्था में एमवाय अस्पताल ले गए थे। डॉक्टर उपचार करना शुरू करते मगर इसके पूर्व नमन की मौत हो गई। स्वजन ने पुलिस को बताया नमन एबी रोड़ स्थित निजी बैंक में सेल्स मैनेजर की नौकरी करता था। प्रतिदिन की तरह मंगलवार को सुबह ऑफिस आया था। दोपहर में उसे घबराहट हुई और सीने में दर्द उठा। दवा लेने का बोलकर नमन खुद अपनी बाइक से घर चला गया। जैसे ही घर पहुंचा बेहोश होकर गिर गया। घबराए स्वजन उसे एमवाय अस्पताल ले गए लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। नमन की नौ महीने की बेटी है। उसके पिता गोपाल बाल आश्रम में पदस्थ है। संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक नमन की मौत कार्डियक अरेस्ट के कारण हुई है।

वृद्ध ने ट्रेन से कटकर जान दी

डकाच्या में एक वृद्ध ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। शिप्रा पुलिस के मुताबिक, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सफेद कुर्ता पहना वृद्ध काफी देर से बैठा था। जैसे ही ट्रेन आई, कूद गया। पहनावे से किसान प्रतीत हो रहा था।

पति पर बदनाम करने का आरोप

केस दर्ज इंदौर में राजेंद्र नगर पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर पति के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपित पर घरेलू हिंसा के साथ-साथ बदनाम करने का आरोप लगाया है। संजय गांधी नगर (निहालपुर मुंडी) निवासी युवती का मार्च 2022 में कोर्ट में विवाह हुआ है। आरोपित देवीलाल वसुनिया विवाह के बाद से ही परेशान करने लगा।

इंदौर में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव ने की खुदकुशी, मां ने कंपनी मालिक पर लगाया परेशान करने का आरोप

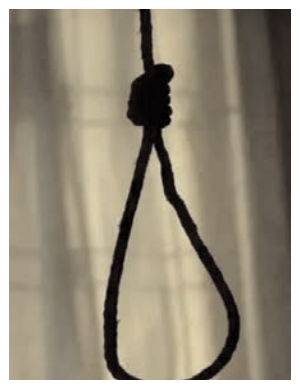

इंदौर। पूर्वी चंपारण के पताही क्षेत्र के बड़ाशंकर गांव निवासी 20 वर्षीय मुस्कान राउत ने फांसी लगा कर खुदकुशी कर ली। मुस्कान का शव कमरे में पंखे पर लटका हुआ मिला है। वह बायपास स्थित कांउट्री वॉक कॉलोनी में इलमे टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव था। युवक की मां ने कंपनी के मालिक पर आरोप लगाया है। कनाड़िया टीआई केपी यादव के अनुसार व्यवसायी प्रतीक ने सूचना दी है। मर्ग कायम कर शव का पीएम करवाया जा रहा है। मुस्कान की मां का आरोप है कि बेटा कंपनी से इस्तीफा देना चाहता था। मालिक ने उसका मोबाइल ले लिया था। वे उसके ऊपर कंपनी का पैसा लेने का आरोप लगा रहे थे।

युवक ने फांसी लगाई इधर इंदौर एमआईजी थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण अज्ञात है। पुलिस के मुताबिक, धर्मेंद्र हीरालाल रायकवार ने फांसी लगाई है। बड़ा बेटा रतलाम और छोटा बेटा दोस्तों के साथ गया था। पत्नी नौकरी कर लौटी तो आत्महत्या का पता चला।

पाकिस्तानी नागरिकों को जाना था दिल्ली, उतर गए इंदौर

वापस शारजाह कर दिया गया डिपोर्ट

इंदौर। यूएई के शारजाह से इंदौर आई मंगलवार रात की उड़ान से आने वाले दो यात्रियों को वीजा में तकनीकी गड़बड़ी के कारण एयरपोर्ट पर ही रोक दिया गया। पाकिस्तान मूल के दोनों यात्रियों को पहले दिल्ली एयरपोर्ट पर उतना था, लेकिन वह इंदौर आ गए। अब इनको गुरुवार देर रात शरजाह जाने वाली उड़ान से वापस भेजा जाएगा। अभी दोनों यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही रोक कर रखा गया है।एयर इंडिया एक्सप्रेस की मंगलवार को शारजाह से आने वाली उड़ान से इंदौर आए दो पाकिस्तान मूल के विक्की कुमार और पूनम कुमारी को एयरपोर्ट पर ही रोक लिया गया। दोनों को वीजा शर्तो के अनुसार शारजाह से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरना था। इसके बाद भारत मे कहीं भी जा सकते थे।

वापसी भी दिल्ली से होनी थी वापसी भी दिल्ली एयरपोर्ट से होनी थी, जबकि यह दोनों यात्री इंदौर के देवी अहिल्याबाई एयरपोर्ट पर पहुंच गए। यात्रियों को एयरपोर्ट पर जांच के दौरान रोक दिया गया। अब दोनों यात्रियों को गुरुवार देर रात जाने वाली उड़ान से वापस शारजाह भेज जाएगा। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही ठहराया गया है। बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई है।

पहले भी वापस भेजे गए यात्री शारजाह और दुबई से आने वाले यात्रियों को इंदौर एयरपोर्ट से पहले भी वापस भेजा जा चुका है। पहले वापस भेजे गए यात्री ई-वीजा पर इंदौर आ गए थे, जबकि इंदौर में ई-वीजा मान्य नहीं था। ऐसे में यात्रियों को एयरपोर्ट में ही रुकना पड़ा था। इस घटना के बाद सांसद शंकर लालवानी द्वारा ई-वीजा की पहल की गई और इसको शुरू कराया गया।

46 मेरिट विद्यार्थियों को पदक से सम्मानित करेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय का 14वां दीक्षा समारोह गुरुवार को तक्षशिला परिसर स्थित सभागृह में आयोजित किया जाएगा। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पदक से सम्मानित करेंगी। विश्वविद्यालय ने इस संबंध में गाइडलाइन जारी की है समारोह में अव्यवस्था न हो इसके लिए विद्यार्थियों-शोधार्थियों व अभिभावकों सहित शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को समय का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। सभागृह में दोपहर 2 बजे से पहले आना होगा। उसके बाद किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

आईडी कार्ड भी साथ रखना होगा इस दौरान पहचान पत्र भी साथ में रखना होगा। बकायदा आमंत्रण पद पर बैठने का स्थान भी दर्शाया है। समारोह में राष्ट्रपति मुर्मु दोपहर 3 बजकर 10 मिनट पर आएंगी। उसके बाद सभागृह में मौजूद व्यक्ति फोटो नहीं खींच सकेंगे। सुरक्षा कारणों की वजह से यह कदम उठाया गया है। सभागृह में ब्रीफकेस, कैमरा, इलेक्ट्रानिक उपकरण, बैग और पानी की बोतल ले जाने की मनाही है। इसके अलावा समारोह में छोटे बच्चों को लाने से मना किया गया है।

प्रोसेशन निकलेगा समारोह से पहले विश्वविद्यालय के अधिकारी-कार्यपरिषद, संकायाध्यक्ष, डीन के साथ राष्ट्रपति का फोटो होगा। बाद में विद्यार्थी-शोधार्थी तस्वीर ले सकेंगे। दोपहर 3.20 पर विश्वविद्यालय का प्रोसेशन निकलेगा, जो पांच मिनट के भीतर सभागृह में प्रवेश करेगा।

46 विद्यार्थियों को पदक से सम्मानित करेंगी समारोह में राष्ट्रपति सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 46 विद्यार्थियों को पदक से सम्मानित करेंगी। इसके बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव- कुलाधिपति मंगूभाई पटेल का दस-दस मिनट का भाषण होगा। शाम 4 बजकर 10 मिनट पर राष्ट्रपति समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करेंगी। साढ़े चार बजे सभागृह से एयरपोर्ट के लिए राष्ट्रपति रवाना होंगी।

छात्राओं ने मारी बाजी समारोह में इंजीनियरिंग कर चुके शुभ लाड को चार पदक दिए जाएंगे। तीन विद्यार्थियों को तीन और 13 छात्र-छात्राओं को दो-दो पदक दिए जाएंगे। पदक हासिल करने वालों में छात्राओं की संख्या ज्यादा है।

मंच पर सिर्फ आठ कुर्सी समारोह में मंच पर अतिथियों के लिए आठ कुर्सियां होंगी। राष्ट्रपति मुर्मु के अलावा कुलाधिपति मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री मोहन यादव, राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, कुलगुरु डॉ. रेणु जैन होंगे।

दस सेकंड में एक विद्यार्थी को पदक देंगी राष्ट्रपति समारोह में 46 छात्र-छात्राओं को पदक दिए जाएंगे। राष्ट्रपति सबको आठ से दस मिनट में पदक से सम्मानित करेंगी। प्रत्येक छात्र-छात्रा राष्ट्रपति के पास पांच से दस सेकंड ही रुक पाएंगे।

107 स्वर्ण-रजत पदक 2022-23 सत्र में विभिन्न संकाय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले करीब 80 विद्यार्थी हैं, जिन्हें 96 स्वर्ण और 11 रजत पदक मिलेंगे। कला, वाणिज्य, यांत्रिकी, प्रबंधन, विज्ञान, संख्यिकी, कंप्यूटर साइंस, शारीरिक शिक्षा सहित 20 संकाय के विद्यार्थी हैं। समारोह में 46 छात्र-छात्राओं ने पंजीयन करवाया है। इन्हें राष्ट्रपति मुर्मु पदक से सम्मानित करेंगी। वहीं 147 शोधार्थियों को उपाधि मिलेगी, जो समारोह खत्म होने के बाद कुलगुरु डॉ. रेणु जैन के हाथों मिलेगी।

इंदौर में नगर निगम बना कर्बला मैदान का मालिक, निगम द्वारा केवीएट दायर

इंदौर। कोर्ट द्वारा नगर निगम के पक्ष में फैसला दिया जाने के बाद कर्बला मैदान के नाम से पहचानी जाने वाली सात एकड़ जमीन का कब्जा नगर निगम ने बुधवार को ले लिया। मेयर पुष्य मित्र भार्गव जमीन का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान नगर निगम के मालिकी हक का बोर्ड भी लगा दिया गया। इंदौर नगर निगम ने कर्बला मामले में केवीएट दायर कर दी है। सरस्वती किनारे की इस जमीन का उपयोग वर्षों से मुस्लिम समाज ताजिए ठंडे करने के लिए करता आ रहा है। यहां तीन दिन मेला भी लगाता है, लेकिन अब इस जमीन का स्वामित्व नगर निगम का हो चुका है। अब वह इसके उपयोग का फैसला लेगा। पहले यह जमीन वक्फ बोर्ड के नाम पर थी। दूसरा पक्ष हाईकोर्ट में याचिका लगाने की तैयारी कर रहा है। उधर इस मामले में नगर निगम भी हाईकोर्ट में केविएट लगा दी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस निर्णय पर खुशी जताते हुए कहा यह जमीन इंदौर नगर पालिक निगम के विकास और प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस जमीन के लिए जल्दी ही योजना बनाई जाएगी। निरीक्षण के मौके पर महापौर परिषद सदस्य अश्विनी शुक्ल, निरंजन सिंह चौहान, अभिषेक शर्मा बबलू, नंदकिशोर पहाड़िया, प्रिया डांगी, योगेश गेंदर भी मौजूद थे।

इंदौर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने खरीदी चंदेरी और महेश्वरी साड़ियां

इंदौर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दो दिवसीय दौरे पर इंदौर पहुंची।एयरपोर्ट से राष्ट्रपति का काफिला एमजी रोड स्थित मृगनयनी एम्पोरियम पहुंचा।यहां कलाकारों से मुलाकात कर हस्तशिल्प और हस्तकला के बारे में जानकारी ली। एम्पोरियम में राष्ट्रपति द्वारा चंदेरी और महेश्वरी साड़ियां भी खरीदी गईं। साड़ियों के 23800 रुपये उन्होंने यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान किया। पदश्री से सम्मानित कलाकारों द्वारा राष्ट्रपति को अपनी कलाकृतियां भेंट की गई।राष्ट्रपति ने सभी कलाकारों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि हमारी पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को संजो कर एवं संरक्षित रखने की जरूरत है। कलाकार इसमें अच्छा योगदान दे रहे हैं। पदमश्री से सम्मानित चारों कलाकारों ने अपने द्वारा निर्मित सामग्री राष्ट्रपति को भेंट दी। इंदौर-उज्जैन के दो दिवसीय दौरे पर बुधवार शाम 4.50 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु इंदौर पहुंचीं। देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री मोहन यादव, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी राम सिलावट, पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, मुख्य सचिव वीरा राणा, लेफ्टिनेंट जनरल गजेंद्र जोशी, डीजीपी सुधीर सक्सेना सहित विधायक और प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने स्वागत किया। मृगनयनी एम्पोरियम में करीब 40 मिनट रूकने के बाद राष्ट्रपति का काफिला एमजी रोड से पलासिया और एबी रोड होते हुए रेसीडेंसी पहुंचा।राष्ट्रपति रात्रि विश्राम रेसीडेंसी कोठी में करेंगी और इस दौरान दिल्ली से चलने वाली सारी गतिविधियां और फैसले रेसीडेंसी से ही होंगे

महिला कर्मचारी से पसंद कराई साड़ी राष्ट्रपति मुर्मू ने वहां की महिला कर्मचारियों से अपनी पसंद की हल्के रंग की एक साड़ी उनके लिये चुनने का अनुरोध किया। सरिता गव्हाड़े ने उन्हें हल्के पिंक रंग की महेश्वरी साड़ी पसंद कर दी। महिला कर्मचारी अरूणा रापोतू, मीना चौरसिया एवं वंदना कोठारी ने राष्ट्रपति को साड़ियों की जानकारी दी। राष्ट्रपति ने 19152 रुपये मूल्य की माहेश्वरी और 14962 रुपये मूल्य की चंदेरी साड़ियां खरीदी।

अतिथि शिक्षकों को लेकर शिक्षा मंत्री की दो टूक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने किया पलटवार

मेहमान बनकर आओगे तो क्या घर में कब्जा कर लोगे

भोपाल। मध्यप्रदेश के शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का अतिथि शिक्षकों को लेकर एक बयान ने बवाल मचा दिया है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि उनके हितों की रक्षा सरकार करेगी। लेकिन उपयोगिता भी देखी जाएगी। नाम क्या है उनका अतिथि आप मेहमान बनकर आओगे तो क्या घर पर कब्जा करोगे। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि जहां शिक्षक कम हैं, वहां अतिथि शिक्षकों की सेवा ली जाती है। बाकी अतिथि शिक्षकों के हितों की चिंता विभाग कर रहा है। इस बयान पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि स्कूल शिक्षा मंत्री को माफी मांगनी चाहिए। पटवारी ने कहा कि कब्जा क्या होता है? आप व्यवस्था के अंतर्गत अतिथि शिक्षकों को रखते हो। वे सेवाएं देते हैं। आप सेवाएं लेना चाहते हैं और बाद में अपमानित करना चाहते हो। वो भी मंत्री यानि सरकार का एक नुमाइंदा। एक मंत्री का बयान मंत्रिमंडल की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। मैं मानता हूं कि शिक्षा मंत्री को माफी मांगनी चाहिए।

पांच सूत्री मांगों को लेकर किया था आंदोलन दरअसल, आठ हजार से ज्यादा अतिथि शिक्षक नियमितिकरण समेत पांच मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने बीते 10 सितंबर को भोपाल में तिरंगा यात्रा निकालकर प्रदर्शन भी किया था। बारिश के बीच प्रदर्शन छह घंटे तक चला था।

मुलाकात से भी नहीं बनी बात अतिथि शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप से भी मुलाकात कर चुका है। लेकिन अब तक बात नहीं बनी है। शिक्षा मंत्री ने अतिथि शिक्षकों के खिलाफ इस प्रकार का बयान देकर आग में घी छिड़कने का काम किया है। पहले से ही अतिथि शिक्षक राज्य सरकार के खिलाफ नियमितीकरण सहित अन्य मांगों को लेकर काफी आक्रोशित हैं। ऊपर से स्कूल शिक्षा मंत्री की तरफ से इस प्रकार का बयान आने के बाद आगे क्या होगा यह एक दिलचस्प पहलू होगा।

बोरवन पार्क में पर्यटकों के बजाय नजर आ रहे सियारों के झुंड

पांच दिन से पार्क के गेट पर लटका है ताला, लोग कर रहे गुलाब उद्यान का रुख

भोपाल। संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) के शुरूआती छोर पर बड़ी झील किनारे स्थित बोरवन पार्क में एक हफ्ता पहले सियारों का झुंड नजर आने के बाद इसमें सैर करने वालों के प्रवेश पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है। बड़ी झील के किनारे स्थित इस पार्क में प्रतिदिन दो हजार से अधिक लोग सैर करने पहुंचते थे। अब वे परेशान हो रहे हैं। कुछ लोगों ने गुलाब उद्यान का रुख किया है। सुनसान नजर आने वाले गुलाब उद्यान में अब रौनक नजर आने लगी है। गौरतलब है कि पिछले बुधवार को बोरवन पार्क में सियारों का झुंड नजर आया था। कुछ लोगों ने इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर शेयर किया था। रेहटी एवं प्रदेश कुछ हिस्सों में सियार के हमले की खबरों को देखते हुए वन विभाग ने बोरवन पार्क में लोगों के सैर करने पर रोक लगा दी। पार्क के गेट पर ताला लटका है। पिछले पांच दिन से लोग परेशान हैं। इस पार्क में सुबह एवं शाम के समय बच्चे, युवा, महिलाएं एवं बुजुर्ग सभी वर्ग के लोग सैर करने पहुंचते थे। पार्क के अंदर किड्स जोन एवं योगा सेंटर बनने के बाद इसकी रौनक और बढ़ गई। अब पार्क में लोगों के प्रवेश पर रोक लगने से सब परेशान हैं।

गुलाब उद्यान में सज रही गीत-संगीत की महफिल

नगर निगम ने दो साल पहले सीहोर नाका क्षेत्र में गुलाब उद्यान को विकसित किया। यहां जीव सेवा संस्थान के सहयोग से संत हिरदारामजी की प्रतिमा भी स्थापित की है। बोरवन पार्क बंद होने से अब इस उद्यान में लोग सैर के लिए आ रहे हैं। गुलाब उद्यान बड़ी झील के तटीय क्षेत्र में बना है। बोरवन पार्क में सुबह के समय गीत-संगीत की महफिल सजाने वालों ने भी ठिकाना बदल दिया है। शौकिया गायक नरेश गिदवानी के अनुसार अब गुलाब उद्यान में महफिल सज रही है। नवोदित गायकों ने मंगलवार को संतजी की प्रतिमा के आसपास सफाई अभियान भी चलाया। प्रतिमा को भी साफ किया गया।

गणपति बप्पा की विदाई, भजन गाते प्रेमपुरा घाट पहुंचे शिवराज

राजधानी में धूमधाम से किया गया गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

भोपाल। राजधानी में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन मंगलवार को धूमधाम से किया गया। सुबह पूजा-अर्चना के बाद दोपहर से ही छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू हुआ। नगर निगम ने विसर्जन को लेकर विशेष व्यवस्थाएं की थी। घरों और मोहल्लों में विराजित प्रतिमाओं के लिए शहर में कई जगह विसर्जन कुंड बनाए गए। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा भी अपने-अपने घर पर विराजित प्रतिमा का विसर्जन करने प्रेमपुरा घाट पहुंचे और गणपति बप्पा मोरिया..अगले बरस तू जल्दी आ... के नारे के साथ भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को विसर्जित किया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने परिवार और श्रद्धालुओं के साथ देर शाम प्रेमपुरा घाट में घर में विराजे गणेश जी का विसर्जन किया। विसर्जन के जुलूस के दौरान रास्ते भर शिवराज सिंह चौहान भक्तिमय माहौल में रहे, भगवान गणेश के भजन गाते हुए प्रेमपुरा घाट पहुंचे। इसके पहले शिवराज सिंह चौहान सपत्नीक विदिशा स्थित बाढ़ वाले गणेश मंदिर पहुंचे, वहां विधिवत गणेश चतुर्थी का पूजन किया और मंदिर में भंडारा संपन्न कराया। बच्चों और युवाओं की टोलियों ने गणेश जी की छोटी-छोटी प्रतिमाओं को लेकर छोटे तालाबों और विभिन्न घाटों पर विसर्जन किया। शहर के कई हिस्सों में विसर्जन के लिए अस्थायी कुंड बनाए गए हैं, ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। झांकी और पांडालों में गणेश पूजन के बाद हवन और भंडारे का आयोजन भी किया। श्रद्धालु बड़ी संख्या में इस धार्मिक आयोजन में शामिल हुए।

शाम को निकली झाकियां शाम को शहर में गणेश प्रतिमाओं का बड़ा चल समारोह निकाला गया। हिंदू उत्सव समिति की तरफ से आयोजित जुलूस शाम 6:30 बजे सेंट्रल लाइब्रेरी से शुरू होकर इतवारा, मंगलवारा, हनुमानगंज, जनकपुरी, सिंधी मार्केट, सोमवारा होते हुए कमलापति घाट पहुंचा। इस जुलूस में करीब 200 झांकियां भी शामिल हुईं। सजावट और बैंडबाजे के साथ यह झाकियां निकाली गईं। इसको लेकर यातायात पुलिस ने प्रमुख मार्गों को लेकर परिवर्तित मार्गों की व्यवस्था की थी, जिससे आम जनता को आने-जाने में किसी प्रकार की दिक्कत ना हो।

यहां पर हुआ विसर्जन शहर के प्रमुख घाटों पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन हो रहा है, जिनमें खटलापुरा, प्रेमपुरा, संत हिरदाराम नगर, हयाईखेड़ा डैम, शाहपुरा प्रमुख स्थान हैं। घाटों पर सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई।

स्कूली शिक्षक ने 3 साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

प्राइवेट पार्ट पर चोट देख सहम गई मां

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल को शर्मशार करने वाली घटना सामने आई हैं। कमला नगर थाने के एक स्कूल टीचर ने तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। वारदात का पता तब चला, जब बच्ची की मां ने उसके प्राइवेट पार्ट पर चोट के निशान देखे। यह सब देखकर मां सहम गई। पुलिस ने आरोपी कासिम रेहान को गिरफ्तार कर लिया है, वह स्कूल में आईटी का शिक्षक है। बताया जा रहा है पीड़ित बच्ची की मां ने मामले को लेकर दो दिन पहले स्कूल में भी शिकायत की थी। कमला नगर थाना पुलिस का कहना है कि आरोपी शिक्षक कासिम रेहान को गिरफ्तार कर लिया है। घटना को लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।

कमलानगर पुलिस के अनुसार 3 साल की मासूम थाना क्षेत्र में रहती है और एक निजी स्कूल में पढ़ती है। सोमवार दोपहर बाद जब मासूम घर पहुंची तो उसके प्राइवेट पार्ट से ब्लीडिंग हो रही थी। यह जानकारी मां को उस समय लगी जब वह बच्ची की स्कूल ड्रेस उतार रही थी। बच्ची के प्राइवेट पार्ट से छेड़छाड़ और दुष्कर्म की जानकारी लगने के बाद मां स्कूल पहुंची और प्रबंधन को बेटी के साथ दरिंदगी किए जाने की सूचना दी। मां ने मासूम द्वारा बताए गए टीचर कासिम रेहान का नाम भी स्कूल प्रबंधन को बताया। मासूम की मां ने स्पष्ट बताया कि कासिम रेहान नाम के टीचर ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया है, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने कोई कार्रवाई नहीं की। स्कूल प्रबंधन के कार्रवाई नहीं करने पर मंगलवार को महिला बच्ची के साथ कमलानगर थाने पहुंची और उसने शिक्षक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर दिया। पुलिस ने आरोपी शिक्षक कासिम रिहान को गिरफ्तार कर लिया है।

जीतू पटवारी ने महिला अपराध को लेकर राज्य सरकार को घेरा बच्ची के साथ हुई घटना के बाद कांग्रेस मुखर हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने महिला अपराध को लेकर राज्य सरकार को घेरा है। वहीं प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो की धारा में प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले की पुलिस विवेचना कर रही है। इस मामले में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी कि उसने समय पर जानकारी मिलने के बाद आरोपी शिक्षक के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

ग्राम सिंघोढ़ा के पास हुआ हादसा, पीछे आ रहे परिजन ने रास्ते में देखा घायल हालत में

भोपाल। नजीराबाद थाना क्षेत्र में नरसिंहगढ़ से बैरसिया की तरफ जा रहे बाइक चालक को किसी वाहन ने सामने से टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायमी के बाद मामले को विवेचना में ले लिया है। युवक को टक्कर मारने के बाद भाग निकले वाहन के बारे में पुलिस को अभी तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। नजीराबाद थाना प्रभारी कृष्णा ठाकुर ने बताया कि ग्राम बररायठा, नरसिंहगढ़ निवासी 30 वर्षीय शंभूसिंह लोवंशी निजी काम करता था। 13 सितंबर को वह बाइक से बैरसिया की तरफ जा रहा था। उसके परिवार के लोग दूसरी बाइक से पीछे आ रहे थे। शंभूसिंह जब ग्राम सिंघोढ़ा के पास पहुंचा, तभी सामने से किसी वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। घटना का पता तब चला जब पीछे आ रहे स्वजन वहां पहुंचे। शंभूसिंह को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। इलाज के दौरान मंगलवार शाम को शंभू सिंह की मौत हो गई।

पटरी पर मिला शव, मोपेड से हुई पहचान उधर, छोला मंदिर थाना थाना इलाके में सोमवार सुबह पातरा पुलिया के पास रेल पटरी पर एक युवक का शव बरामद किया गया था। घटनास्थल के पास ही एक मोपेड भी खड़ी मिली थी। मोपेड के आधार पर मृतक की पहचान अटल अय्यूब नगर निवासी 24 वर्षीय रोहित पुत्र मनोज पंथी के रूप में हुई। तलाशी में उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का लग रहा है, लेकिन उसने इस तरह का कदम क्यों उठाया, इस बात का पता लगाया जा रहा है।

राहुल गांधी को आतंकी बताने वाले मंत्री विधायक की थाने में शिकायत

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी बोले- भाजपा सरकार के दबाव में काम कर रही पुलिस

भोपाल। राजधानी के टीटी नगर, कोलार, संत हिरदाराम नगर सहित विभिन्न थानों में कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री, उत्तर प्रदेश के मंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दरअसल इन तीनों नेताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके स्वजन पर आपमानजनक टिप्पणी की है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने तीनों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की मांग की है। इस पर एसीपी ने 14 दिन में जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। वहीं जीतू पटवारी ने कार्रवाई नहीं करने पर थाने के सामने धरना देने की बात कही है। बता दें कि केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, उप्र के मंत्री रघुराज सिंह और शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड़ ने राहुल गांधी को आतंकवादी सहित अन्य अभद्र टिप्पणियां की हैं।

केंद्र के इशारे पर अनर्गल बयान दे रहे मंत्री प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने वीडियो जारी करते हुए कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा के नेता अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं। अब तो उन्होंने उनके माता-पिता, दादी तक को नहीं छोड़ा है। उन पर भी अशोभनीय टिप्पणी की है। यह सब नेता-मंत्री केंद्र के इशारे पर यह सब कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने चार हजार किलोमीटर पैदल चलकर देश की एकता-अखंडता की बात की। देश के गरीब और आमजन के मुद्दों को उठाया तो भाजपा को अच्छा नहीं लगता। करोड़ों रुपये लगाकर उनके खिलाफ दुष्प्रचार किया गया, फिर भी जनता ने उनको अपना जनप्रतिनिधि चुना है। उनके पिता और दादी ने देश के लिए बलिदान दिया। देश के लिए मर मिटने वाले परिवार को लेकर ऐसी भाषा बोलना बर्दाश्त के बाहर है। मेरा आग्रह है कि तीनों के खिलाफ मामला दर्ज कराएं।

रेलवे स्टेशन पर जल्द खुलेगा जन औषधि केंद्र

लोगों को मिलेंगी सस्ती दवाइयां, आपात स्थिति में पहुंचने वाले मरीजों के उपचार के लिए विशेषज्ञ भी रहेंगे मौजूद

भोपाल। आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं बेहद सस्ती दरों पर मिल सकें, इसके लिए भोपाल रेल मंडल स्टेशन के बाहर जन-औषधि केंद्र खोलने जा रहा है। रेलवे की ओर से स्टेशनों पर भारतीय जन-औषधि परियोजना के तहत मेडिकल स्टोर खोले जा रहे हैं। इसके तहत भोपाल स्टेशन पर अगले एक-दो महीने में जन-औषधि केंद्र खोला जाएगा। इसके बाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को दवा के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। स्टेशन के आसपास रहने वाले लोग भी आसानी से सस्ते दामों पर दवा ले सकेंगे। इसको लेकर भोपाल रेल मंडल की ओर से टेंडर जारी कर दिया है। साथ ही स्थान भी चिह्नित कर लिया गया है। भोपाल स्टेशन परिसर में प्लेटफार्म एक की ओर नई बिल्डिंग के सामने जन-औषधि केंद्र खोला जाएगा। यहां केंद्र में आपात स्थिति में पहुंचने वाले मरीजों के उपचार, दवा का पर्चा बनाने के लिए विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे। हालांकि इनके ड्यूटी टाइम को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

सफर में बीमार यात्री को आसानी से मिल सकेगी दवा रेलवे की मंशा है कि सफर के दौरान बीमार होने वाले यात्रियों को दवा के लिए परेशान न होना पड़े। उन्हें प्लेटफार्म पर ही दवा मिल जाएं। वहीं, दूसरी ओर जन-औषधि केंद्र के जरिए जेनेरिक दवा को बढ़ावा मिले। इसलिए पहली बार स्टेशन के प्लेटफार्म पर दवा दुकानों को खोला जा रहा है। इन केंद्रों के स्ट्रक्चर बनाने की जिम्मेदारी रेलवे के ही स्टोर विभाग को सौंपी है।

आकर्षक और सुविधाजनक केंद्र बनाया जाएगा विभाग के अधिकारियों को रेलवे बोर्ड से विशेष तौर पर निर्देशित किया है कि भोपाल स्टेशन पर बनने वाले केंद्र को आकर्षक और सुविधाजनक बनाया जाएगा, ताकि स्टेशन की भीड़ के दौरान यात्रियों को आसानी से यह केंद्र दिख जाएं। स्थल का चयन करते समय इस बात का खास ध्यान रखा गया है।

दो-तीन महीने में मिलने लगेंगी सुविधाएं भोपाल मंडल में बीना के बाद अब भोपाल स्टेशन के बाहर एक नंबर प्लेटफार्म के बाहर जन औषधि केंद्र खोला जा रहा है।

संपादकीय

एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए अपनी सहमति दें सभी दल

लोकसभा में पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति होने के बावजूद खुद को बेफिक्र दिखाने की बेताब कोशिश में पार्टी ने एक बार फिर अपने एक मुख्य एजेंडे- एक राष्ट्र,एक चुनाव- के मुद्दे को कैबिनेट में मंजूरी दी। पिछले दिनों स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न राजनीतिक दलों से इस पहल का समर्थन करने के लिए एकजुट होने की अपील की थी।

देश में एक देश एक चुनाव को मोदी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। वन नेशन वन इलेक्शन के लिए एक कमेटी बनाई गई थी जिसके चेयरमैन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद थे। कोविंद ने अपनी रिपोर्ट मोदी कैबिनेट को दी, जिसके बाद उसे सर्वसम्मति से मंजूर कर दिया गया। हालांकि इसके बाद आगे का सफर आसान नही होने वाला है। इसके लिए संविधान संशोधन और राज्यों की मंजूरी भी जरूरी है, जिसके बाद ही इसे लागू किया जाएगा। निस्संदेह, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग की तीसरी पारी में बदलावकारी फैसले लेना उतना सहज नहीं रह गया है, जितना पहली-दूसरी पारी में नजर आता था। तीसरे कार्यकाल के सौ दिनों के बीच सरकार के कई फैसलों पर गठबंधन धर्म की गांठें नजर आई हैं। एक दशक की स्वच्छंद कार्यशैली के बाद अब भाजपा सहयोगी दलों पर निर्भर नजर आ रही है। कहीं न कहीं बदले हालात में पार्टी कई मुद्दों पर यू टर्न लेते हुए भी नजर आई। बहरहाल, लोकसभा में पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति होने के बावजूद खुद को बेफिक्र दिखाने की बेताब कोशिश में पार्टी ने एक बार फिर अपने एक मुख्य एजेंडे- एक राष्ट्र,एक चुनाव- के मुद्दे को कैबिनेट में मंजूरी दी।

पिछले दिनों स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न राजनीतिक दलों से इस पहल का समर्थन करने के लिए एकजुट होने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि देश में वर्ष पर्यंत चलने वाले चुनाव भारत की प्रगति में बाधक बन रहे हैं। कहा गया कि राजग सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के भीतर इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार को लागू कराने को लेकर आशावादी है। अब इसे राजग का आशावाद कहें या अति आत्मविश्वास, जो उन्हें इस तथ्य को नजरअंदाज करने देता है कि कई राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव कराने का विरोध किया था। निस्संदेह, एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए भाजपा द्वारा नई पहल किए जाने के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। सर्वविदित है कि पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा जनाधार बढ़ाने के बावजूद भाजपा देश का प्रमुख राजनीतिक दल बना हुआ है। ऐसे में अगर मतदाता दो साल के बजाय पांच साल में अपने मताधिकार का प्रयोग करता है तो इसका भगवा पार्टी को सबसे ज्यादा लाभ मिल सकता है। राजनीतिक पंडित राजग सरकार की एक राष्ट्र,एक चुनाव की मुहिम के पीछे ऐसी ही सोच बताते हैं। यह भी हकीकत है कि संसदीय चुनाव और विधानसभा चुनाव में अकसर अलग-अलग मुद्दे प्रभावी होते हैं। ऐसे में एक साथ चुनाव कराए जाने पर एनडीए के साथ गठबंधन न करने वाली क्षेत्रीय पार्टियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। निस्संदेह, लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों के लिये समान अवसर उपलब्ध होना जरूरी है। यह भारतीय जनता पार्टी के हित में होगा कि वह एक राष्ट्र,एक चुनाव, के मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिए कड़ी मेहनत करे। साथ ही इसके व्यावहारिक पहलुओं को लेकर हितधारकों द्वारा उठाए गए संदेहों को दूर करने का प्रयास करे। निश्चित ही यह राजग के लिए बड़ी चुनौती होगी क्योंकि इस बार विपक्ष पहले के मुकाबले मजबूत भी है और एकजुट भी है। इसमें दो राय नहीं कि यह बात तार्किक है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रयास शासन में सुनिश्चितता लाएगा। वहीं बार-बार के चुनाव खर्चीले होते हैं। दूसरे राज्य-दर-राज्य लंबी आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य भी बाधित होते हैं। साथ ही साथ शासन-प्रशासन व सुरक्षा बलों की ऊर्जा के क्षय के अलावा जनशक्ति का अनावश्यक व्यय होता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर इसके लागू होने से भारतीय संघीय ढांचे के लिए जो चुनौती पैदा होगी, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वैसे इस बार यदि केंद्र सरकार हरियाणा व जम्मू कश्मीर के साथ-साथ महाराष्ट्र व झारखंड में भी विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रयास करती तो एक राष्ट्र,एक चुनाव के गुण-दोषों का मूल्यांकन करने में मदद मिलती। लेकिन केंद्र ने अपनी राजनीतिक सुविधा व समीकरणों के लिए ऐसी ईमानदार कोशिश नहीं की। वैसे भी भारत जैसे विविधता वाले देश में जाति, धर्म व संप्रदाय से ग्रसित सोच के बीच एक साथ चुनाव कराना खास जोखिम भरा भी है। पारदर्शी व निष्पक्ष चुनाव के लिए एक साथ चुनावी मशीनरी तथा सुरक्षा बलों की उपलब्धता के यक्ष प्रश्न भी हमारे सामने खड़े हैं। ऐसे में इसके सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आम सहमति बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

खामेनेई के भारत पर आरोप के पीछे असल मंशा

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने पैगम्बर मोहम्मद के जन्म दिन पर आरोप लगाया कि भारत में मुस्लिम पीड़ित हैं। खामेनेई ने 16 सितंबर को एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत को उन देशों में शामिल किया, जहां मुस्लिमों को पीड़ा झेलनी पड़ रही है। ईरान और भारत के बीच अच्छे रिश्तों के बाद भी ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई द्वारा मुसलमानों को प्रताड़ित किए जाने वाले देशों की सूची में भारत का नाम लेना सभी के लिए चौंकाने वाला है।

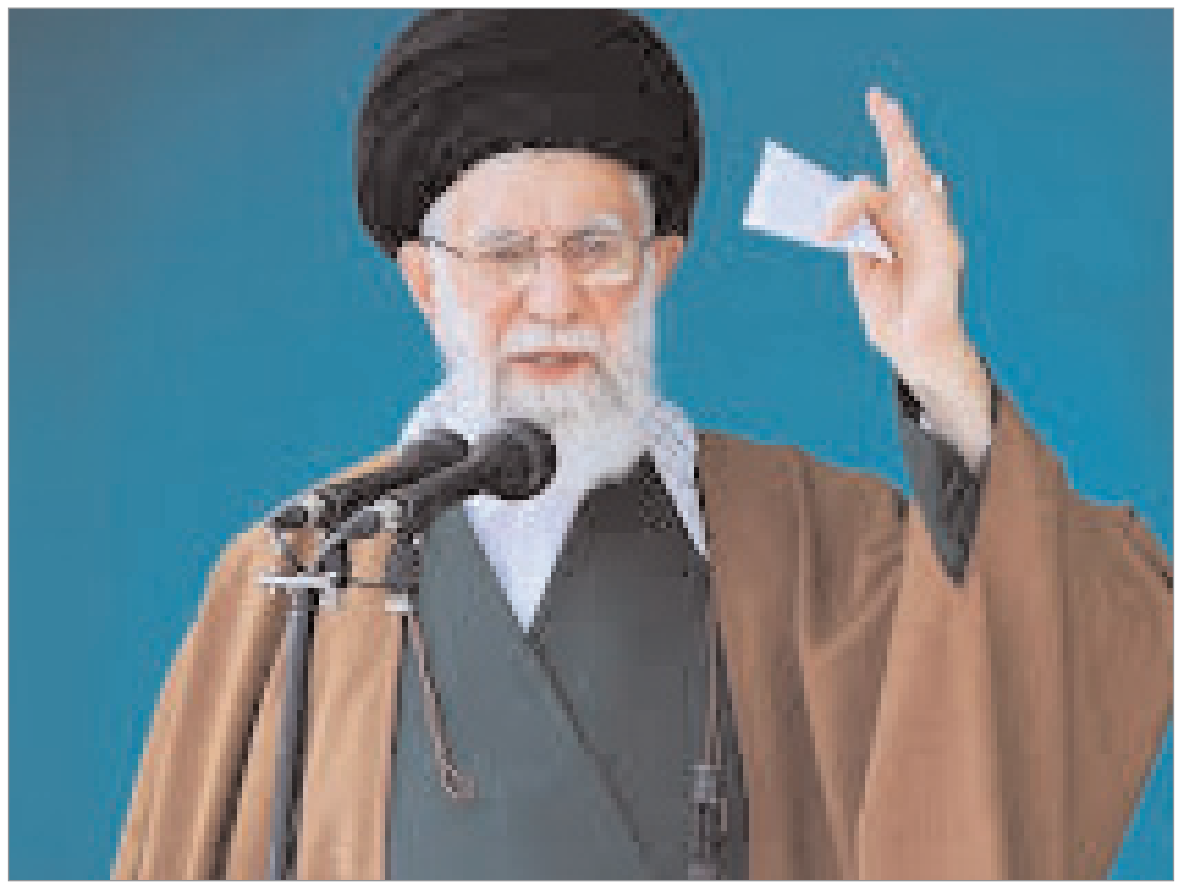

ईरान और भारत के बीच अच्छे रिश्तों के बाद भी ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई द्वारा मुसलमानों को प्रताड़ित किए जाने वाले देशों की सूची में भारत का नाम लेना सभी के लिए चौंकाने वाला है, वह भी तब कि जब ईरान पर अमेरिका द्वारा लगाए कठोर आर्थिक प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर भारत ने ईरान से व्यापारिक रिश्ते न सिर्फ कायम रखे, बल्कि उन्हें मजबूती दी है। ज्यादा हैरानी की बात है कि कथित मुस्लिम प्रताड़ना वाले देशों में उन्होंने उस चीन का नाम नहीं लिया है, जहां उइगुर मुसलमानों को नमाज पढ़ने और रोजे रखने तक की इजाजत नहीं है और जिनका बेखौफ चीनीकरण किया जा रहा है। तो क्या खामेनेई का भारत पर आरोप लगाना भारत के साथ अपने रिश्तों को बिगाड़ने की सोची समझी चाल है, भारत के साथ ईरान की एहसान फरामोशी है या फिर ऐसे बयान देकर खुद को दुनिया में मुसलमानों का एकमात्र मुसलमानों का नेता साबित करने की मंशा है?

गौरतलब है कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई ने पैगम्बर मोहम्मद के जन्म दिन पर आरोप लगाया कि भारत में मुस्लिम पीड़ित हैं। खामेनेई ने 16 सितंबर को एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत को उन देशों में शामिल किया, जहां मुस्लिमों को पीड़ा झेलनी पड़ रही है। इस पर भारतीय भारतीय विदेश मंत्रालय ने तत्काल कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम खामेनेई के बयान की निंदा करते हैं। यह अस्वीकार्य और पूरी तरह से भ्रामक है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि अल्पसंख्यकों के मामले पर कमेंट करने वाले देशों को पहले अपने रिकॉर्ड को देखना चाहिए। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बयान को एक्स पर शेयर भी किया। इसके पूर्व एक कमेंट में खामेनेई ने लिखा था- दुनिया के मुस्लिमों को भारत, गाजा और म्यांमार में रह रहे मुस्लिमों की तकलीफ से अनजान नहीं रहना चाहिए। अगर आप उनकी पीड़ा को नहीं समझ सकते तो आप मुस्लिम नहीं हैं। खामेनेई ने आरोप लगाया कि इस्लाम के दुश्मन मुस्लमानों में फूट डालते आए हैं।

हालांकि, यह पहली बार नहीं है कि जब खामेनेई भारतीय मुसलमानों के खैरख्वाह बने हैं। खामेनेई ने 2020 के दिल्ली दंगों के बाद कहा था कि भारत में मुस्लिमों का नरसंहार हुआ है। भारत सरकार को कट्टर हिंदुओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने चाहिए। सरकार को मुस्लिमों का नरसंहार बंद करना होगा, नहीं तो इस्लामी दुनिया उनका साथ छोड़ देगी। कश्मीर के मुद्दे पर भी खामेनेई कई बार विवादित बयान देते आए हैं। साल 2017 में खामेनेई ने कश्मीर की तुलना गाजा, यमन और बहरीन से की थी।

5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के कुछ दिन बाद खामेनेई ने सोशल मीडिया पर लिखा था- हम कश्मीर में मुस्लिमों की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। खामेनेई 1980 में जम्मू-कश्मीर का दौरा भी कर चुके हैं। कश्मीर मामले में ईरान का रवैया भारत विरोधी ही रहता आया है। इसी साल यानी 2024 में जब ईरान के तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी अप्रैल में अपने पहले पाकिस्तान दौरे पर गए थे तो दोनों देशों के साझा बयान में कश्मीर का जिक्र था। इस पर भारत ने ईरान के सामने आपत्ति जताई थी। इन सबके बावजूद भारत ने ईरान के साथ अपने व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों में खामेनेई के बयानों और ईरान के रवैये को आड़े नहीं आने दिया और ईरान के साथ अपने ऐतिहासिक रिश्तों को ध्यान में रखते हुए आपसी सम्बन्ध बेहतर बनाने पर ही जोर दिया है।

जहां तक भारत में मुसलमानों की कथित प्रताड़ना की बात है तो यह धारणा तथ्यों से विपरीत है। स्थानीय कारणों से होने वाले विवाद अथवा राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को देश के 24 करोड़ मुसलमानों की प्रताड़ना से जोड़ना एक सोची समझी और दुर्भावनापूर्ण रणनीति है। गाजा में जो इजराइल कर रहा है, या म्यानमार की सैनिक सरकार वहां रोहिंग्या मुसलमानों के साथ जो सलूक कर रही है, उसके कारण अलग हैं। वैसे भी फिलीस्तीन मामले में भारत दो राष्ट्र नीति का समर्थक रहा है। हम चाहते हैं कि फिलीस्तीन और इजराइल दोनो राष्ट्र रहें। इजराइल और ईरान के बीच कट्टर दुश्मनी है।

इसका कारण इजराइल को अमेरिका का अंध समर्थन और ईरान की परमाणु शक्ति बनने की अदम्य इच्छा। इससे भी बड़ा कारण ईरान की इस्लामिक जगत का नया लीडर बनने की तमन्ना है। वैसे भी आज दुनिया के 57 मुस्लिम देशों का नेतृत्व करने और खुद को मुसलमानों का सबसे बड़ा हितैषी सिद्ध करने की चार देशों में होड़ मची है। ये हैं - सउदी अरब, जो खुद को मुसलमानों का स्वाभाविक नेता मानता है। दूसरा है, तुर्की जो हाल के वर्षों में मुस्लिम कट्टरपंथ की तरफ झुका है। तीसरा है मलेशिया, जिसने सउदी अरब की मर्जी के खिलाफ जाकर मुस्लिम देशो को इकट्ठा करने की कोशिश की थी। अब इसमें ईरान का नाम भी शामिल हो गया है। इन चारो देशों में भी ईरान अकेला शिया बहुल देश है। पिछले दिनों चीन ने मध्यस्थता कर ईरान और सुन्नी बहुत सउदी अरब के बीच समझौता कराके दुनिया को चौंकाया था। हालांकि, इससे दोनो चिर प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच रिश्ते बहुत मधुर हो गए हैं, ऐसा नहीं है। खामेनेई के बयान के पीछे भारत और सउदी अरब के मधुर रिश्ते भी कारण हो सकते हैं।

खामेनेई का भारतीय अल्पसंख्यक मुस्लिमों के प्रति प्रेम सही भी हो सकता था, अगर खुद ईरान में अल्पसंख्यकों के साथ मानवीय व्यवहार होता। मुस्लिम भाईचारे के तमाम दावों के बाद जमीनी हकीकत यह है कि आज दुनिया में सर्वाधिक मारकाट मुस्लिम देशों और कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के बीच ही हो रही है। स्टेटा रिसर्च डिपार्टमेंट के ताजा आंकड़ो के मुताबिक वर्ष 2021 से 2022 तक दुनिया भर में आतंकी घटनाओं में कुल 55 हजार 635 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश मुसलमान ही थे। मरने वाले भी और मारने वाले भी। हालांकि, इसमें गजा में मारे जाने वाले मुसलमानों की संख्या शामिल नहीं है। जहां हमास-इजराइल युद्ध में 50 हजार से ज्यादा मुसलमान मारे जा चुके हैं। खुद ईरान में अल्पसंख्यक सुन्नियों, बहाइयों, पारसियों और कुर्दों के साथ क्या व्यवहार होता है, यह दुनिया जानती है। बहाइयों को तो वहां कब्रिस्तान भी नसीब नहीं होते। ईरान में हिजाब विरोधी आंदोलन का प्रतीक बनी महसा अमीनी की हत्या वहां की मॉरल पुलिस ने इसलिए भी की थी, क्योंकि वह कुर्द थी।

कैम्ब्रिज से प्रकाशित पत्रिका मनारा में हाल में ईरान में अल्पसंख्यक सुन्नियों के हालात पर पेमान असदजादे का आंखें खोलने वाला लेख छपा है। इसमें उन्होंने बताया है कि कैसे ईरान में सुन्नियों के साथ खुला भेदभाव किया जा रहा है। सुन्नी मुसलमान ईरान में करीब 10 फीसदी हैं और देश की सबसे बड़ी अल्पसंख्यक आबादी है।

ये सुन्नी ज्यादातर लारेस्तान में रहते हैं और ईरानी, बलूच, कुर्द, तुर्कमान, अरब आदि में बंटे हुए हैं। केवल ईरान के तीन प्रांतों कुर्दिस्तान, सिस्तान और बलूचिस्तान में वो बहुसंख्यक हैं। ये वो इलाके हैं, जो विकास की दौड़ में बहुत पिछड़े हैं या जिनकी ईरान सरकार द्वारा जानबूझकर उपेक्षा की जाती रही है। यहां तक देश में शिया और सुन्नियों के बीच साक्षरता दर में बहुत फर्क है। सुन्नी इलाकों में शुद्ध पेयजल तक आसानी से उपलब्ध नहीं है। जहां तक राजनीतिक प्रतिनिधित्व की बात है कि ईरान सरकार में 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सुन्नी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व नहीं के बराबर है। ईरान में शियाओं का एक उप सम्प्रदाय बारह इमाम को मानना ही देश का आधिकारिक धर्म है। हालांकि, सुन्नियों को उनका धर्म मानने की इजाजत है। सुन्नियों के दबाव के चलते हाल के कुछ वर्षों में उनका ईरान सरकार में प्रतिनिधित्व बढ़ाने की कोशिश जरूर की गई है। लेकिन सुन्नी से भेदभाव की भावना अब सुन्नी आतंकी संगठनों की हिंसक कार्रवाइयों में तब्दील होती जा रही है। वहां जैश-उल-अदल तथा जैश-उल-अंसार तथा अल-फुरकान जैसी सुन्नी आतंकवादी सगंठन दक्षिणी ईरान में सक्रिय हैं। पिछले दिनो ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जो एयर स्ट्राइक की थी, वह सुन्नी बलूची संगठनों के खिलाफ ही थी। यही हाल सुन्नी कुर्दों का भी है। ईरान सरकार उन्हें सख्ती से कुचलती रही है।

इधर भारत में मोदी सरकार पर आरोप है कि उसके राज में देश में मुसलमानों को हाशिए पर डालने की कोशिश की जा रही है। इसमे आंशिक सच्चाई हो सकती है, लेकिन इसकी तुलना गजा, म्यानमार जैसे देशों से करना यही साबित करता है कि ईरानी सुप्रीम लीडर के लिए मुसलमान होने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। गनीमत है कि अयातुल्लाह खामेनेई और ईरान के राष्ट्राध्यक्षों द्वारा यदा कदा दिए जाने वाले भारत विरोधी और मुस्लिम समर्थक बयानों के बावजूद दोनो देशों के कूटनीतिक व व्यापारिक रिश्तों पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ा है।

ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम के कारण कड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हैं। इसके बाद भी भारतीय नेता ईरान का दौरा करते रहे हैं। हाल में दोनो देशों के बीच हुए एक अहम समझौते के तहत ईरान के चाबहार स्थित शाहित बहिश्ती बंदरगाह का संचालन अगले 10 साल के लिए भारत ही करेगा। जिसका लाभ अफगानिस्तान को भी होगा और जिसे पाकिस्तान के ग्वादर में चीन द्वारा विकसित किए जा रहे बंदरगाह का जवाब माना जा रहा है। भारत ईरान से मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात करता है। जबकि ईरान भारत से बासमती चावल व अन्य वस्तुएं आयात करता है। बहरहाल खामेनेई के खुले भारत विरोध के बाद ईरान के साथ हमारे रिश्ते क्या दिशा लेते हैं, यह देखने की बात है।

राहुल की सामाजिक न्याय की राजनीति से मोदी, मायावती भयभीत क्यों?

राहुल गांधी की तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा संपन्न हो चुकी है। इस यात्रा में राहुल गांधी ने डलास और वॉशिंगटन डीसी में भारतवंशियों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों और विद्यार्थियों से संवाद किया। जैसा कि पहले से ही अनुमान था कि राहुल गांधी के वक्तव्य का भारतीय जनता पार्टी विरोध करेगी। पहले की तरह राहुल गांधी के बयानों पर भाजपा की प्रतिक्रिया आक्रामक ही नहीं, बल्कि द्वेषपूर्ण भी रही। राहुल गांधी ने अमेरिका में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर खुलकर बात की। राहुल गांधी के बारे में यह बात कही जाती है कि वे सिर्फ आचरण में ही नैतिक नहीं हैं बल्कि अपने भाषणों में भी बेहद ईमानदार हैं। राहुल गांधी राजनीतिक नफा-नुक़सान भूलकर बौद्धिक और तार्किक ढंग से बात करते हैं। इन दिनों वे आरक्षण और जाति जनगणना के मुद्दे पर बेहद स्पष्ट और मुखर हैं। अमेरिका में भी राहुल गांधी ने आरक्षण पर अपनी राय व्यक्त की।

आरक्षण ख़त्म करने के बारे में एक सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि असमानता और सामाजिक भेदभाव ख़त्म होने के बाद आरक्षण को समाप्त करने पर विचार किया जा सकता है। लेकिन अभी भारत में ऐसी स्थिति नहीं है। भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी के इस बयान पर तूफ़ान खड़ा कर किया। अमित शाह ने ट्वीट करके कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी आरक्षण विरोधी हैं। कांग्रेस दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों का आरक्षण ख़त्म करना चाहती है। लेकिन जब तक भारतीय जनता पार्टी है तब तक कोई आरक्षण समाप्त नहीं कर सकता। यह बयान कितना खोखला है, यह भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की विचारधारा और मंसूबों से समझा जा सकता है।

आज़ादी के समय से ही हिंदुत्ववादी आरक्षण ही नहीं बल्कि संविधान विरोधी भी रहे हैं। डॉ. आंबेडकर से लंबे समय तक उनका बैर किसी से छिपा नहीं रहा। इस नफरत के दो सबसे बड़े कारण थे। एक तो आंबेडकर दलित थे और दूसरा उन्होंने दलितों, आदिवासियों के उत्थान एवं सम्मान, स्वाभिमान की रक्षा हेतु संविधान में आरक्षण जैसा प्रावधान किया था। इसलिए दशकों तक यह नफ़रत जुबान पर रही, जो अब केवल दिलों में है। आज भले ही मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी डॉ. आंबेडकर के चित्र पर माला चढ़ाते हों या उनके स्मारक बनवाते हों लेकिन सच यही है कि डॉ. आंबेडकर के प्रति ना तो उनके मन में कोई सम्मान का भाव है और ना ही वे दलित समाज को बराबरी का दर्जा देना चाहते हैं। आश्चर्य तो इस बात का है कि राहुल गांधी के इस बयान पर चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और मायावती जैसे नेताओं ने भी तल्ख बयानी की। या तो इन दलित नेताओं ने राहुल गांधी के बयान को पूरी तरह से सुना ही नहीं या वे राहुल गांधी को अविश्वसनीय और आरक्षण विरोधी स्थापित करने वाले भाजपा के प्रोजेक्ट में साझीदार हैं। अपने बयान पर आने वाली प्रतिक्रियाओं के अगले दिन ही राहुल गांधी ने वाशिंगटन में इस मुद्दे को स्पष्ट करते हुए कहा कि वह कतई आरक्षण विरोधी नहीं हैं। बल्कि वे 50 फ़ीसदी

की आरक्षण की सीमा को खत्म करना चाहते हैं और पिछड़ों- वंचितों के लिए आरक्षण बढ़ाना चाहते हैं।इस समय भाजपा राहुल गांधी की राजनीति से इतना भयभीत है कि उनके हर बयान पर प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर है। दरअसल, पिछले दो साल से लगातार राहुल गांधी दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के मुद्दों पर मुखर हैं। संविधान, आरक्षण और दलितों- आदिवासियों के सम्मान- स्वाभिमान के लिए राहुल गांधी लगातार संघर्ष कर रहे हैं। आज राहुल गांधी दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की उम्मीद बनकर उभरे हैं। देश के बहुसंख्यक तबके यानी दलित, पिछड़े और आदिवासियों में राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता और विश्वास भाजपा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इसीलिए राहुल गांधी को आरक्षण विरोधी होने का भ्रम फैलाकर मोदी और शाह दरकती हुई अपनी जमीन और साख को बचाना चाहते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों से साफ़ है कि राम मंदिर, हिंदुत्व और दलितों- पिछड़ों के खिलाफ लागू की गई नीतियों से प्रभावित-प्रसन्न सवर्ण तबके ने 2019 के चुनाव की अपेक्षा भाजपा को ज्यादा वोट दिया। लेकिन दूसरी तरफ़ भाजपा को दलितों और पिछड़ों की नाराजगी का नुक़सान उठाना पड़ा। इसका फायदा इंडिया एलाइंस को मिला। कांग्रेस पार्टी को दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों ने अपेक्षाकृत अधिक वोट किया। राहुल गांधी के इर्द-गिर्द या कांग्रेस पार्टी के प्रमुख चेहरे भले ही सवर्ण हों लेकिन वोटर तो दलित वंचित और अल्पसंख्यक ही हैं। ऐसे में न सिर्फ भाजपा को बल्कि बहुजन समाज की राजनीति करने वाली मायावती को भी राहुल गांधी ख़तरा नजर आ रहे हैं। इसीलिए मायावती लगातार राहुल गांधी पर हमलावर हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के नतीजों और आंकड़ों से समझा जा सकता है कि मायावती की राजनीति को राहुल गांधी ने कितना कमजोर किया है। बसपा इस चुनाव में अपना खाता भी नहीं खोल सकी। यूपी की सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली बसपा को केवल 9.39त्न वोट मिले जबकि केवल 17 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने 6 सीटों पर जीत हासिल करते हुए बसपा से अधिक 9.46त्न वोट प्राप्त किए। ये आंकड़े बताते हैं कि बसपा का गढ़ रहे उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े सूबे में मायावती का जनाधार तेजी से घट रहा है। इसका सीधा फायदा कांग्रेस को मिल रहा है। जाहिर तौर पर इस कामयाबी में सबसे बड़ी भूमिका राहुल गांधी की है। यही कारण है कि राहुल गांधी की सामाजिक न्याय की राजनीति और जनप्रियता से मोदी और मायावती दोनों नेता भयभीत हैं।

कटनी में घरेलू विवाद में पति ने पीट-पीट कर दी पत्नी की हत्या

एनकेजे पुलिस ने आरोपी पति को किया गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, कटनी के एनकेजे थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जुहला में बीती रात पति ने पत्नी की घरेलू विवाद के कारण पीट-पीट कर हत्या कर दी। हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया था जिसे एनकेजे की पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है और पूछताछ की जा रही है। एडिशन एसपी संतोष डहेरिया ने बताया की रात करीब साढ़े 3 बजे की बताई जा रही है। सूत्र बताते हैं कि जिस समय घटना हुई उसे समय घर में पति-पत्नी के अलावा और कोई मौजूद नहीं था। बच्चे भी गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस देखने के लिए गए हुए थे। वारदात की जानकारी मिलने के बाद एनकेजे पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मृतिका की लाश को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए

भिजवाया। मामले की जांच पुलिस कर रही है। घटना के संबंध में पुलिस ने यह भी बताया की एनकेजे थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जुहला निवासी पंडा कोल ने अपनी पत्नी सीता कोल उम्र 38 वर्ष की किसी घरेलू विवाद को लेकर पीट पीट कर हत्या कर दी। घटनास्थल की जांच एवं मृतिका के शरीर की जांच करते हुए पुलिस के द्वारा यह अंदेशा लगाया जा रहा है कि विवाद के बाद पति ने पत्नी को बेरहमी से पिता अत्यधिक मारपीट किए जाने के कारण ही महिला की मौत होना प्रतीत हो रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में एनकेजे पुलिस ने हत्यारे पति को अरेस्ट कर पूरे मामले की जांच कर रही है।

गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान कोतवाली पुलिस रही मुस्तैद

जुलूस के दौरान शांति भंग करने वाले असमाजिक तत्वों के विरूद्ध की गई कार्यवाही

सुनील यादव । सिटी चीफ । कटनी, गणेश विसर्जन जुलूस को शांतिपूर्ण संपन्न कराने एवं जुलूस के दौरान अराजकता फैलाने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

जिसके पालन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक आशीष कुमार शर्मा द्वारा को आयोजित गणेश विसर्जन जुलूस के शांतिपूर्ण रूप से निकाले जाने हेतु सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई थी। थाना प्रभारी निरीक्षक आशीष कुमार शर्मा जुलूस का सफल संचालन करते हुए लगातार अपने दल-बल के साथ जुलूस के अगले हिस्से से लेकर पिछले हिस्से तक का लगातार पैदल भ्रमण किया गया और समिति के सदस्यों से समन्वय स्थापित करते हुए समय से विसर्जन किए जाने हेतु समझाईश दी गई। साथ ही संदिग्धों को रोककर उनकी चैकिंग की गई। जुलूस के दौरान ही अराजकता फैलाकर शांति व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास करने वाले 03 आरोपियों सोहेल अहमद नि. रोशन नगर, भोलू बर्मन और अनिल केवट दोनों निवासी तिलक कालेज के पास एनकेजे कटनी को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध 170 बीएनएस एवं 126, 135 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की

गई है। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक 20-22 साल का लड़का अपने पास बटनदार चाकू रखे है और जुलूस में चाकूबाजी की घटना घटित करने की फिराक में है। सूचना पर तत्काल मुखबिर के बताए हुलिए के लड़के की तलाश की गई जो पुलिस की चहल-कदमी से जुलूस से भागकर चौपाटी के तरफ भाग गया। जिसे थाना स्टाफ के द्वारा घेराबंदी करके पकड़ा गया। जिसके कब्जे से 01 लोहे का बटनदार चाकू जप्त किया गया। पकड़ा गया आरोपी दीपक सिंह उर्फ छोटू ठाकुर पिता इंद्रजीत सिंह उम्र 19 वर्ष निवासी जयहिंद चौक झर्रा टिकुरिया कटनी का रहने वाला है। आरोपी का कृत्य धारा 25 आर्म्स एक्ट का घटित करना पाए जाने पर थाना कोतवाली में अप.क्र. 582/24 धारा 25 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध किया गया है। आरोपी के विरूद्ध थाना रंगनाथनगर में पूर्व में भी चाकूबाजी के प्रकरण पंजीबद्ध होना पाए गए है। आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। थाना कोतवाली पुलिस की सजगता के चलते बिना किसी व्यवधान के शांतिपूर्ण रूप से ईद मिलादुन्नवी, विश्वकर्मा जयंती और गणेश विसर्जन के जुलूस शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराए गए है। जिसके लिए गणेश समिति के सदस्यों के द्वारा पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया गया है।

विंध्यांचल सेवा संघ द्वारा विशेष आमंत्रण पर हैदराबाद पहुंचे सिद्ध बाबा आश्रम मैहर के सेवक पं. रामनिवास उर्मीलिया

विंध्यांचल सेवा संघ विंध्य दर्शन का साक्षी : पं. रामनिवास

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना, गणेश उत्सव के अवसर पर विंध्यांचल सेवा संघ हैदरावाद के विशेष आमंत्रण पर तेलांगना की राजधानी हैदरावाद पहुंचे सिद्ध बाबा आश्रम मैहर के सेवक पं. रामनिवास उर्मलिया के साथ राजगुरु मनोज अग्निहोत्री, जितेंद्र शर्मा, गुड्डा तिवारी, राजेश परौहा ने भाग्य लक्ष्मी मंदिर, गणपति मंदिर, राणीसती मंदिर, जगनन्नाथ मंदिर में विद्वत आचार्यों के साथ पूजा-अर्चन की। विविध आयोजनों में सम्मान से अभिभूत पं. रामनिवास ने कहा कि विंध्यांचल सेवा संघ विंध्य विरासत की खुशबू को हैदरावाद में बिखेरते हुए विप्र धर्म का बाखूबी निर्वाहन कर रहा है। हम उस विंध्य की धरा से आये हैं जहां वनवासी राम को रामत्व प्राप्त हुआ। विश्व में वैसे ही रामकथा सर्वश्रेष्ठ और कालजयी है। ऐसे अद्भुत प्रसंग विश्व के किसी वांग्मय में नही है। रामकथा की यही महत्ता है कि वह जाती-पांति, धर्म-संप्रदाय से परे

सर्वग्राही व सर्वस्पर्शी है। समूचा विंध्य राम कहानी का ही पर्याय है। सो हम विंध्यवासी स्वयं को धन्य मानते हैं। विंध्य से आकर हैदराबाद को अपनी कर्मस्थली बनाने वाले हजारों लोगों की भावनाओं को देखते हुए रीवा से हैदराबाद के बीच एक ट्रेन चलाई जाय जिससे विंध्य के अस्तित्व में रची बसी भूगोल, संस्कृति का अक्षुण्य प्रवाह बना रहे। आयोजन में प्रमुख रूप से उपस्थित जगन्नाथ मंदिर के महंत अमृतदास खाकी, भाग्य लक्ष्मी मंदिर की ट्रस्टी एडवोकेट शशिकला, प्रधान पुजारी आचार्य जानकी ओझा, गणपति मंदिर के प्रधान पुजारी ओम प्रकाश तिवारी, संघ के अध्यक्ष सुनील पांडेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, वेद प्रकाश तिवारी, आचार्य आदित्य नारायण, रामपाल पांडेय, राजन शुक्ला, कुलदीप तिवारी, संतोष पाठक, शशिनारायण द्विवेदी, महेश गौतम, जीवेश द्विवेदी, सोनू मिश्रा, संजय तिवारी, पुष्पेंद्र मिश्रा, राघवेंद्र गौतम आदि।

संगठन पर्व सदस्यता अभियान 2024 हेतु कोठी मंडल में बैठक संपन्न

अगमी सदस्यता अभियान को लेकर हुई चर्चा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ
सतना, भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री जेपी नड्डा के निर्देशन में मध्यप्रदेश के मुखिया माननीय श्री मोहन यादव जी मध्य प्रदेश के यशस्वी प्रदेश अध्यक्ष जी के कुशल मार्गदर्शन में और सतना जिले के यशस्वी जिला अध्यक्ष श्री सतीश शर्मा जी के मार्गदर्शन में आयोजित महासदस्यता अभियान के अंतर्गत आज कोठी मंडल में भाजपा का सदस्यता अभियान चलाया गया जिसमे सतना जिले के लोकप्रिय भाजपा सांसद माननीय गणेश सिंह कोठी नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुखवंती बुनकर तथा साथ कोठी भाजपा मंडल अध्यक्ष यशवंत पांडेय ,मंडल महामंत्री भूपेश पांडेय ,पूर्व मंडल अध्यक्ष हीरामन सिंह ,मंडल उपाध्यक्ष राघवेंद्र सिंह , मंडल उपाध्यक्ष दीपक सिंह ,युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिनव गौतम, व्यापारी संघ अध्यक्ष रामजी

गुप्ता,कोठी किला युवराज हर्षवर्धन सिंह,किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह ,किसान मोर्चा के जिला पदाधिकारी आदर्श सिंह, मंडल महामंत्री बृजेश चौधरी ,शैलेंद्र सिंह शैलु, ग्रीस गर्ग ,रामशिरोमणि सिंह,राजेश नामदेव,हाजी मोहम्मद इकराम, साबिर खान,संजीव सिंह,राकेश सिंह बब्लू,दद्दू प्रजापति, सकुंतला बाई कोरी, ममता प्रजापति ,समस्त मंडल परिवार कोठी ने सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिसमे देश के माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की के गरिमा को देखते हुए 2024 के अगमी सदस्यता अभियान को लेकर सभी की बीच चर्चा भी हुई.

पत्रकार बीमा योजना में बढ़े हुए प्रीमियम का भार उठाएगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री डॉ . यादव

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ने किया मुख्यमंत्री का आभार

निवास मिश्रा । सिटी चीफ ।
मैहर, मुख्यमंत्री डॉ . मोहन यादव ने पत्रकारों के हित में संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना में IIT कंपनी द्वारा बढ़ायी गयी प्रीमियम राशि का भार राज्य सरकार द्वारा वहन करने का निर्णय लिया है । साथ ही बीमा के लिये ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तारीख भी 20 सितम्बर से बढ़ाकर 25 सितम्बर कर दी गयी है । मुख्यमंत्री डॉ . यादव ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ , पत्रकार साथी दिन - रात एक करके विषम परिस्थितियों में देश और समाज की सेवा करते हैं । विभिन्न पत्रकार संगठनों द्वारा मेरे संज्ञान में लाया गया कि पत्रकार बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम में वृद्धि की गई है । अत ः हमने निर्णय लिया है कि पत्रकार बीमा योजना में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम की दरों में की गई वृद्धि का भार राज्य सरकार उठाएगी । योजना में शामिल होने वाले पत्रकारों से गत वर्षों की तरह ही प्रीमियम लिया जाएगा । उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ
MADHYA PRADESH SHRAMJIVI PATRAKAR SANG
17-09-2024

बंधुओं के साथ हर कदम पर खड़ी है । मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा पत्रकारों की बात रखे जाने को लेकर मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष सलभ भदोरिया ने प्रदेश के मुखिया को पत्र जारी कर आभार प्रकट करते हुए लिखा है कि पत्रकार सुरक्षा बीमा पॉलिसी में बीमा कंपनी द्वारा प्रीमियम राशि घटाए जाने की हमारे संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की मांग को स्वीकार करने पर संगठन अपनी सभी 58 जिला इकाईयों सहित आपके प्रति तहे दिल से आभार व्यक्त करता है । साथ ही संगठन 5 लाख तक का निशुल्क बीमा करने संबंधी हमारी मांग को भी स्वीकार करने भी पुनः आग्रह किया है । आपने जो किया उसके लिए बहुत बहुत आभार बार बार आभार । क्रांतिकारी अभिवादन सहित एक बार फिर धन्यवाद । मुख्यमंत्री डॉ . यादव ने मीडिया से चर्चा के दौरान यह बात कही । बीमा योजना की पूरी जानकारी एवं संशोधित प्रीमियम चार्ट जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट https://www.mpinfo.org/ पर उपलब्ध है।

ग्राम रोजगार सहायक के ऊपर दमंगो ने किया जानलेवा हमल, अमदरा पुलिस कार्यवाही करने में हुई नाकाम

पंचायत कर्मचारी संघ मैहर ने एस डी एम एवं जनपद सीईओ को सौपा ज्ञापन

निवास मिश्रा । सिटी चीफ ।
मैहर, ग्राम रोजगार सहायक / पंचायत सहायक सचिव कर्मचारी संघ मैहर ने एसडीएम मैहर एवं जनपद पंचायत मैहर सीओ को सौंपा ज्ञापन मामला यह है ग्राम पंचायत रैगवां के रोजगार सहायक के ऊपर हुए जानलेवा हमले में (स्नढ्डक्र) करवाने के बाद भी कोई कारवाई न होने के संबंध में एसडीएम एवं जनपद पंचायत मैहर सीओ को सौंपा गया ज्ञापन। विगत दिनों दिनांक 13/09/2024 दिन शुकवार को ग्राम पंचायत रैगवा के रोजगार सहायक धनीराम कुशवाहा के ऊपर गाँव के कुछ लोगो के द्वारा कार्य के दौरान जानलेवा हमला कर दिया था। जिसके चलते रोजगार सहायक कि जान भी जा सकती थी। इसके बाद भी दबंगों द्वारा शासकीय कार्य करने में कुछ लोग बाधा डाला जाता है और शासकीय कर्मचारी के ऊपर हमला भी करते है किन्तु आज दिनाँक तक दबंगों द्वारा पुलिस प्रशासन का खुला संरक्षण प्राप्त होने पर वह खुले आम घूम रहे

है। और पुनः जान से मारने कि धमकी दी जा रही है। रोजगार सहायकों के ऊपर यह पहली घटना नही है इसके पहले भी बिनैका रोजगार सहायक के साथ भी मारपीट कि गई थी। किन्तु दोषियों के खिलाफ कार्यवाही नही हुई है। रोजगार सहायक से शासन के सभी कार्य करवाये जाते है किन्तु कार्य का मुल्याकंन सिर्फ मनरेगा से किया जाता है। विगत माह मैहर जनपद से दो रोजगार सहायकों का वेतन इस लिए रोक दिया गया है क्योंकि उनके द्वारा पिछले माह में मनरेगा के तहत एक भी मानव दिवश का सृजन नही किया था। ग्राम पचायत रैगवां के रोजगार सहायक के ऊपर हुए हमले से दोषियों के खिलाफ शासकीय कर्मचारी के ऊपर हुए हमले के तहत कार्यवाही नही कि जाती है तो ग्राम रोजगार सहायक जनपद पंचायत मैहर दिनांक 19/09/2024 से पूर्ण रुप से कलम बंद कार्य बंद हड़ताल पर रहेंगें जिसकी जवाब देही शासन प्रशासन कि होगी। ज्ञापन सौंपने पर उपस्थित लोगों में से अनिरुद्ध प्रताप सिंह ग्राम रोजगार सहायक पंचायत सहायक सचिव कर्मचारी संघ मैहर अध्यक्ष, अंजनी कुमार पाण्डेय सचिव कर्मचारी संघ मैहर एवं समस्त संघ के पदाधिकारी गण।

स्मार्ट सिटी सतना की पहचान, गलियों में जलभराव..

पच्चीस सालों में करोड़ों स्वाहा, संकट बरकरार...

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।
सतना, कहने के लिए जरुर हमारा सतना भी देश के स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का अहम हिस्सा है, लेकिन यहां पर स्मार्ट जैसी कोई भी जन सुविधाएं आपको कभी गलती से भी नजर नहीं आएंगी। विंध्य क्षेत्र के सतना नगर निगम का जन्म हुए पच्चीस साल से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है और इसी बीच सतना को स्मार्ट सिटी की सौगात भी नसीब हो गई, अगर कुछ नहीं हुआ तो वह मूलभूत सुविधाओं का आम जनता तक विस्तार। स्मार्ट सिटी सतना की पहचान रिहायशी इलाकों की सड़कों पर होने वाले जलभराव से होती है। यहां पर विकास सीमा को पार कर गया है इसलिए जनता की समस्याएं केवल दिखावटी तौर पर अधिकारियों और नेताओं को नजर आती है। पिछले पच्चीस साल के दौरान जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के नाम पर आम जनता के करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए लेकिन लोगों के दरवाजे तक सुविधाएं नहीं पहुंची हैं। सतना नगर निगम के विकसित वार्ड की सूची में शुमार वार्ड नंबर 33 की कहानी भी शहर के दूसरे वार्ड की तरह बनी हुई है। यहां पर घर घर जल और सड़कों का जाल बिछाया गया लेकिन बरसाती पानी की निकासी के लिए अति आवश्यक नालियों का निर्माण कराने में जनप्रतिनिधि सफल नहीं हुए। यही वजह है कि सांईबाबा मंदिर के सामने मौजूद गली नंबर दो में बरसात होते ही अलग-अलग स्थानों पर जलभराव लोगों के लिए जटिल समस्या बन जाती है। इन पच्चीस साल में सांसद, विधायक, महापौर और नगर निगम के अधिकारियों ने विकास के लिए आने वाले सरकारी बजट में मलाई तो जमकर छानी लेकिन कोई व्यवस्थित शहर की परिकल्पना को लेकर गंभीर नजर नहीं आया। गलियों में सड़कों के दोनों तरफ बिना नाली निर्माण कराए जल निकासी की बात करना पूरी तरह बेमानी है। हमारे महापौर विकास को लेकर विदेशी धरती पर सम्मानित किए जाते हैं जबकि जमीनी हकीकत कोसों दूर है। यदि वाकई में नगर निगम क्षेत्र में बसी रिहायशी कालोनियों में जनता की समस्याएं सार्वजनिक हो जाएं तो सम्मान तो दूर हमारे जनप्रतिनिधियों को कोई आयोजन तक में शामिल होने के लिए नहीं बुलाए। विकास की लफ्फाजी का ढिंढोरा पीटने वाले नेताओं को धरातल पर

उतर कर जनता के लिए काम करने की आवश्यकता है वरना आने वाले समय में परेशान जनता नेताओं के आगमन पर अपने घरों का दरवाजा तक नहीं खोलेगी।

दोनों शहरी जनता को मुलभूत सुविधाएं नहीं दिला पाए बड़बोले जनप्रतिनिधि, फिर कैसा विकास

केंद्र और प्रदेश में भाजपाई सरकार होने के बाद भी नहीं बदली जमीनी तस्वीर...

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ

सतना, आपने अक्सर भाजपा सरकार के मुख्यमंत्रियों सहित पूरी कैबिनेट और स्थानीय सांसदों, विधायकों, महापौर, अध्यक्षों को विकास की गाथा का बखान बढ़े चढ़े शब्दों में करते देखा और सुना होगा। लेकिन जमीनी हकीकत दावों की पोल खोलने के लिए पर्याप्त साबित होती है। पिछले पच्चीस सालों से मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का एकतरफा दबदबा कायम है जबकि केंद्र में लगभग ग्यारह साल से भाजपा सरकार सत्ता सीन है , उसके बाद भी विंध्य प्रदेश की शान कहे जाने वाले रीवा और सतना शहर में रहने वाली आम जनता तक शत प्रतिशत मुलभूत सुविधाओं का विस्तार आज तक नहीं हो पाया है। दोनों शहरी क्षेत्रों में बहुत से ऐसे रिहायशी इलाके हैं जहां रहने वाले लोग बेहतर आवागमन सड़क, पानी निकासी के लिए व्यवस्थित नाली, पीने के लिए मीठा पानी हासिल नहीं कर पाए हैं। मजेदार बात यह है कि समस्त जन सुविधाओं के एवज में जनता नगर निगम को टैक्स का भुगतान जरुर करती है पर उसका लाभ पाने से वंचित है। रीवा और सतना नगर निगम की सीमा का विस्तार जिन 45-45 वार्डों तक है, वहां शत प्रतिशत जमीनी विकास न तो निगम प्रशासन कर पाया है और न ही सांसद, विधायक और महापौर करवा पाए हैं। अब सवाल यह उठता है कि जब समस्त शहरी जनता दोनों जिलों में मुलभूत सुविधाएं प्राप्त नहीं कर पाई तो फिर किस मुंह से बड़बोले भाजपाई नेता विकास की खोखली डींगें हांकते हैं? दोनों शहरों में ड्रैनेज सिस्टम महज दिखावा है इसलिए घंटे दो घंटे की बरसात लोगों के लिए आफत बन जाती है। पिछले दो दिनों से हो रही बारिश भाजपाई विकास की गाथा को रीवा और सतना शहर में बखूबी बयां कर रही है। कई ऐसे इलाके हैं जहां रहने वाले लोगों के लिए निरंतर बारिश अक्सर मुसीबत

साबित होती है। बस शहरों के मुख्य सड़क को चकाचक कर देने, फ्लाई ओवर बना देने से अंदरुनी हिस्से की गलियों में रहने वाले लोगों को जन सुविधा नहीं मिल जाती है? अफसोस इस सच्चाई को जानने के बाद भी सांसद, विधायक और महापौर को कुछ नजर नहीं आता है।

विकास पुरुष का क्षेत्र भी समुचित विकास से दूर, सतना की हालत बद से बद्तर.. वर्ष 2003 से विंध्य की राजनीति में धमाकेदार आगाज करने वाले रीवा विधायक और मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला को भले ही उनसे प्रभावित लोगों ने विकास पुरुष की संज्ञा दे दी हो पर सवाल यही खड़ा होता है कि उनका स्वयं का क्षेत्र जो नगर निगम सीमा में आता है, वह समुचित विकास की मंजिल तय नहीं कर पाया है। रीवा नगर निगम के 45 वार्ड में दर्जन भर से अधिक ऐसी रिहायशी कालोनियां हैं जहां रहने वाले लोगों के बीच मुलभूत सुविधाएं नहीं पहुंची हैं। बरसाती पानी की निकासी के लिए विकास पुरुष अब तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं, इसलिए निरंतर बारिश लोगों की सांसें तेज कर देती है। बीते सालों में कारगर व्यवस्था न होने के कारण बड़ी संख्या में लोगों को बाढ़ की तबाही का सामना करना पड़ा है। संपूर्ण वार्ड की जनता तक मीठे पानी की आपूर्ति आज भी सपना बनी हुई है। निस्संदेह रीवा शहर के बाहरी हिस्से से गुजरने वाले लोगों को बाईपास, फ्लाई ओवर, आडिटोरियम, कलेक्ट्रेट, बस स्टैंड का विकास अपनी तरफ आकर्षित करता है, लेकिन जब यही लोग अंदरुनी हिस्से में घुसते हैं तो हकीकत देखकर दंग रह जाते हैं। बाजार के तंग रास्तों पर पोलियो ग्रस्त यातायात रिमही जनता का नसीब बन गई है। वहीं दूसरी ओर सतना शहर की हालत तो वेंटिलेटर पर बनी हुई है। भाजपाई शासनकाल में हालात बद से बद्तर हो गये हैं। यहां पर अजेय सांसद गणेश सिंह और महापौर की कुर्सी पर निरंतर भाजपाई चेहरा रहने के बाद भी सतना वासियों को विकास नसीब नहीं हुआ है। लगातार नगर निगम में भाजपा की शहर सरकार होने का आम जनता को धरातल पर कोई लाभ नहीं हुआ है। सतना नगर निगम क्षेत्र में पिछले छः साल से सीवरेज के नाम पर लोगों को खून के आंसू रुलाए जा रहे हैं। जानलेवा गड्ढा युक्त सड़कों का जाल शहर भर में फैला हुआ है। सतना शहर में किसी (अंदर - बाहर) तरफ डेवलपमेंट दूर दूर तक नजर नहीं आता है। विकास के मामले में सतना सांसद गणेश सिंह फेल साबित हुए हैं। महापौर इस मामले में कुछ खास कर पाएंगे, ऐसी उम्मीद बिल्कुल नजर नहीं आती है। भगवान जाने दोनों शहरों में रहने वाले लोगों तक समुचित विकास पहुंचने में और कितने साल लग जाएंगे..?

बिजुरी बच्ची की मौत से उत्पन हुए कई सवाल

कही जल्दबाजी में तो नहीं लिया गया था कोतमा पूर्व बीएमओ डाक्टर वर्मा को हटाने का निर्णय

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनुपपुर, अनुपपुर के कोतमा सी एस सी हॉस्पिटल में एक व्यापारी की मौत के उपरांत माननीय मंत्री महोदय दिलीप जायसवाल जी ने कोतमा सी एस सी हॉस्पिटल का निरीक्षण कर तत्कालीन बी एम ओ डाक्टर वर्मा को बीएमओ पद से हटाया था और डाक्टर मनोज सिंह को तत्काल प्रभाव से बीएमओ पदस्थ किया था ज्ञात हो की डाक्टर मनोज माननीय मंत्री महोदय के गृहग्राम बिजुरी पी एस सी हॉस्पिटल में पदस्थ है, एवम डाक्टर वर्मा की अपेक्षा काफी जूनियर है या यू कहे की अनुभव में कम है ,क्युकी डाक्टर वर्मा सालो से परासी स्वास्थ केंद्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं एवम परासी अनुपपुर जिले का सबसे अच्छा पीएससी माना जाता है , एवम कोतमा बी एम ओ रहने के पूर्व कई वर्षो तक वह अनुपपुर बी एम ओ का पद भी सम्हाल चुके है , इतने वर्षो के अनुभव में डाक्टर वर्मा की कभी भी किसी प्रकार की

कोई गलती नही पाई गई। तो क्या हॉस्पिटल में एक मौत के बाद बिना जांच पड़ताल डाक्टर वर्मा को बी एम ओ पद से हटाना सही था ,? खैर मंत्री महोदय ने ये निर्णय लिया तो सही ही होगा , पर अब जब डाक्टर मनोज सिंह के पी एस सी में एंबुलेंस न मिलने और बिजुरी हॉस्पिटल में बच्ची को सही उपचार न मिलने पर बच्ची की मौत हुई, उसके लिए जिम्मेदार किसे ठहराए,क्युकी नवीन पदस्थ बी एम ओ मनोज सिंह जब स्वयं जहां पदस्थ है वहा सुविधाएं नही दे पा रहे या ये कहे की एंबुलेंस का इंतजाम नहीं कर पाए तो पूरे ब्लॉक में स्वास्थ सुविधाएं कैसे उपलब्ध करा पाएंगे.

टाइम पास करने वाले शिक्षकों पर क्यों मेहरबानी दिखाते हैं अधिकारी और विभाग..

विंध्य क्षेत्र के दूरस्थ अंचल में संचालित सरकारी स्कूलों में अराजकता का बोलबाला..

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।

सतना, बच्चों को शिक्षित करने की परिकल्पना को साकार करने के लिए विंध्य प्रदेश में जिन सरकारी स्कूलों को संचालित कराया जा रहा है, उनमें शोपीस संस्थानों की संख्या चौंकाने वाली है। शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे तमाम प्रयासों पर पानी फेरने का काम उन्हीं शिक्षकों द्वारा किया जाता है जिन्हें हर महीने हजारों रुपए वेतन का भुगतान होता है। बताया जाता है कि विंध्य क्षेत्र के सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल और अनुपपुर जिले में संचालित होने वाले बहुत सारे ऐसे सरकारी प्राथमिक, माध्यमिक और हायर सेकंडरी स्कूलें हैं, जहां पर तैनात कई शिक्षक केवल टाइम पास करते हुए अपनी नौकरी निभाने के आदी हो गए हैं। निर्धारित समय पर स्कूलों में न पहुंचने वाले यह शिक्षक हस्ताक्षर करने के बाद प्राचार्य कक्ष अथवा स्टाफ रूम में अक्सर टाइम पास करते हुए देखे जाते हैं। घंटे दो घंटे का समय व्यतीत करने के बाद ये शिक्षक मनमर्जी करते हुए स्कूलों से गायब हो जाते हैं। यह सिलसिला लंबे समय से जारी रहने के बाद भी सात जिलों के शिक्षा अधिकारी और शासन स्तर पर

स्कूल शिक्षा विभाग हांथ पर हांथ धरे बैठा है। यदाकदा डीईओ दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का निरीक्षण करते हुए अपने दायित्वों की खानापूर्ति पूरी करने तक सीमित रहते हैं। अब भला ऐसे हालात में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों का भविष्य कैसे उज्जवल हो सकता है? सवाल यह उठता है कि टाइम पास करने वाले शिक्षकों पर जिला शिक्षा अधिकारी और स्कूल शिक्षा विभाग मेहरबानी क्यों दिखाता है? शासन स्तर से कड़ी कार्रवाई होने के कारण मनमर्जी चलाने वाले शिक्षकों के हौंसले बुलंद रहते हैं। जिम्मेदारों की घोर लापरवाही की वजह से विंध्य क्षेत्र के बहुतायत सरकारी स्कूलों में अराजकता का बोलबाला कायम हो गया है। गंभीर बात यह है कि इस दिशा में जिलों के कलेक्टर्स भी केवल बैठकों में कागजी घोड़े दौड़ाने तक सीमित रहते हैं।

नेतागिरी करने वाले शिक्षकों पर नियंत्रण नहीं...? स्कूल शिक्षा विभाग भी नेतागिरी की पकड़ से दूर नहीं है। कई तरह के शिक्षक संगठन मध्य प्रदेश में सक्रिय हैं, जिनके पदाधिकारी बड़ी संख्या में स्कूलों में जाकर बच्चों को पढ़ाना अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते हैं। नेतागिरी करने वाले शिक्षकों की पदस्थापना जिन सरकारी स्कूलों में रहती है, वहां की दशा तो और गंभीर रहती है। स्कूल प्राचार्यों पर हमेशा दबाव बनाकर रखने वाले नेतानुमा शिक्षकों पर किसी का नियंत्रण नहीं होता है। अपने संगठनों के दम पर शिक्षक जिला शिक्षा अधिकारी को भी आईना दिखाने से परहेज नहीं करते हैं। बताया जाता है कि स्कूलों में टाइम पास करने के लिए शिक्षक बड़ी संख्या में मनपसंद शिक्षक संगठन की शरण में रहना पसंद करते हैं। नेतागिरी करने वाले शिक्षकों पर नियंत्रण करने का प्रयास तक जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा नहीं किया जाता है। कुल मिलाकर सात जिलों के अंचल क्षेत्रों में संचालित सरकारी स्कूलें और वहां पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य पूरी तरह से भगवान भरोसे रहता है।

हल्की बारिश में पुलिया बही

मौहर टोला के ग्रामीण 6 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करने को मजबूर

सुशील सोनी । सिटी चीफ

अनुपपुर, ग्राम पंचायत पयारी क्रमांक 1 और मौहर टोला को जोड़ने वाली पुलिया हाल ही में हुई हल्की बारिश के कारण बह गई, जिससे मौहर टोला के निवासियों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस पुलिया के बह जाने से अब मौहर टोला के करीब 20 ग्रामीणों को अपने ही गांव पहुंचने के लिए 6 किलोमीटर का लंबा रास्ता तय करना पड़ता है.

पुलिया निर्माण का उद्देश्य यह पुलिया ग्राम पंचायत पयारी क्रमांक 1 और मौहर टोला के बीच आवागमन की सुविधा के लिए बनाई गई थी। मौहर टोला में लगभग 20 परिवार रहते हैं, जो अपनी आवश्यकताओं के लिए नियमित रूप से पयारी गांव पर निर्भर रहते हैं। पुलिया के निर्माण से दोनों गांवों के लोगों को आपस में जुड़ने और सुविधाजनक यात्रा करने में मदद मिलती थी

हल्की बारिश में पुलिया का बहना यह पुलिया हाल ही में बह गई, जब हल्की बारिश के दौरान पानी का दबाव अधिक हो गया और कमजोर निर्माण के कारण पुलिया ढह गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिया की निर्माण गुणवत्ता खराब थी और इस वजह से यह छोटी बारिश में ही बह गई

ग्रामीणों की समस्याएं पुलिया के बह जाने से मौहर टोला के लोगों को 6 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। जिन लोगों को पयारी क्रमांक 1 पहुंचने के लिए पहले सीधा रास्ता मिलता था, अब उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे उनके दैनिक कार्यों में परेशानी आ रही है। मौहर टोला के निवासी अब बारिश के दौरान अपने ही गांव में प्रवेश करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं

प्रशासन से अपील ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द पुलिया का पुनर्निर्माण कराया जाए ताकि मौहर टोला के लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया के न होने से न केवल यात्रा कठिन हो रही है, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने में भी समस्या हो रही है स्थानीय प्रशासन और पंचायत अधिकारियों से उम्मीद है कि वे इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द इस पुलिया का पुनर्निर्माण करवाएंगे ताकि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान हो सके.

प्रभारी मंत्री सुनील शर्मा ने कान्हा उपवन गौशाला का किया निरीक्षण

प्रभारी मंत्री ने गौशाला में गोनाइल यूनिट व गोबर के उत्पादों को देखा, गौवंश की पूजा कर खिलाया गुड़

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, प्रदेश के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने सहारनपुर जनपद भ्रमण के दौरान नगर निगम द्वारा संचालित कान्हा उपवन गौशाला का निरीक्षण किया। प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा इस दौरान गायों को गुड़ खिलाया और गौवंश की पूजा की। उन्होंने गौशाला और गोबर व गौमूत्र से बने उत्पादों की सराहना की।

निगम द्वारा गौशाला में स्थापित ट्रीटमेंट प्लांट की जानकारी देते हुए नगरायुक्त संजय चौहान ने प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा को बताया कि गौशाला से धुलाई आदि का जो पानी निकलता है उस पानी को शुद्ध कर पुनः उपयोग में लाया जाता है। उन्होंने बताया कि प्लांट में लगाये गए पिष्टिया के पौधे गोबर के पानी से वेस्ट तत्वों को अवशोषित कर लेते है। इसमें ऑक्सीजीनेशन और ओजोनेशन की प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने गौमूत्र से निर्मित गोनाइल व गोबर से निर्मित दिए, धूप स्टिक, गणेश जी व ओइम की प्रतिमाएं, राखी तथा जैविक खाद आदि उत्पादों को भी देखा। महापौर डॉ. अजय कुमार ने प्रभारी मंत्री सुनील कुमार को बताया कि गौशाला में गौवंश तथा उसके निकट ही नंदीशाला में नंदी रखे गए है। निगम गौवंश की बढ़ती संख्या को देखते हुए इसके और विस्तार की योजना बना रहा है। नगरायुक्त संजय चौहान ने बताया कि नगर निगम के यह उत्पाद अमेजन पर उपलब्ध हैं और ऑनलाइन कर्नाटक व तेलंगाना तक उनकी बिक्री हो रही है। निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा ने प्रभारी मंत्री को गोनाइल व अन्य गोबर उत्पादों के बनाने की प्रक्रिया से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान विधायक रामपुर मनिहारान देवेंद्र निम, विधायक नकुड मुकेश चौधरी, जिलाधिकारी मनीष बंसल, एसएसपी रोहित सिंह सजवाण, अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, मुख्य अभियंता निर्माण बी0के0सिंह आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर में अपराध घटे और विकास योजनाओं का क्रियान्वयन संतोषजनक : प्रभारी मंत्री

योगी सरकार अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टोलरेंस की नीति पर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, उत्तर प्रदेश के काबिना मंत्री और सहारनपुर के नए जिला प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने सहारनपुर में विकास कार्यों और अपराध नियंत्रण की समीक्षा की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सहारनपुर जिले में अपराधों में कमी आई है और प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं वाली सभी विकास योजनाओं का क्रियान्वयन संतोषजनक पाया गया। उन्होंने कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टोलरेंस की नीति है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा के 10 सीटों के उपचुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी गठबंधन के दल चुनाव जीतेंगे। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल, एसएसपी रोहित संजवान उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से पूरे देश में दो अक्टूबर तक के लिए स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाएगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से इस अभियान में पूरी लगन के साथ भागीदारी करने की अपील की है।

जनपद पंचायत जैतहरी के पास आर के मेडिकल स्टोर संचालित कर रहा अवैध क्लिनिक

प्रशासन की आंख में धूल झोक कर रहा है आमजन की जान से खिलवाड़

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनुपपुर, अनुपपुर जैतहरी झोला छाप डाक्टरों पर कार्यवाही के आदेश माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दिया गया और उस पर कई कार्यवाही हुई भी परंतु इस प्रकार चोरी छुपे ये मेडिकल स्टोर वाले भी क्लिनिक संचालित कर रहे है इस की जानकारी प्रशासन को हो ही नहीं पति और ये चंद मुनाफे के लिए आमजन की जान से खिलवाड़ करते रहते है इसी तरह का एक मेडिकल जैतहरी में है जो की आरके मेडिकल नाम से संचालित है इसने मेडिकल स्टोर के अंदर एक कमरा बना के रखा हुआ है जहा

ये मरीजों को इंजेक्शन बाटल लगाया करता जब सिटी चीफ की टीम को इस मेडिकल की जानकारी लगी तो सिटी चीफ की टीम इस मेडिकल पर पहुंची और देखा तो ये अपने इस कृत को छुपाता हुआ नजर आया सिटी चीफ की टीम द्वारा इसकी जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दी गई जिस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा इस पर कार्यवाही करने की बात कही अब देखना ये होगा की क्या ड्रग इंस्पेक्टर इस पर कार्यवाही करते है या फिर ये प्रशासन की आंख में यू ही धूल झोकता रहेगा और आमजन की जान से खिलवाड़ करता रहेगा।

प्रभारी मंत्री ने किया नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कमेला का उद्घाटन

स्वच्छता ही सेवा के स्वच्छता रथ को दिखाई हरी झण्डी

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | सहारनपुर, मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तथा प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा द्वारा आईटीसी मिशन सुनहरा कल के अंतर्गत हैंड इन हैंड इंडिया द्वारा नवनिर्मित नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कमेला कॉलोनी के भवन का निर्माण एवं सौंदर्यकरण कार्य का उद्घाटन किया गया। मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर स्वच्छता ही सेवा के स्वच्छता रथ की शुरुआत की। सभी संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल पर जाकर जानकारी ली। उन्होंने आईटीसी मिशन सुनहरा कल के अंतर्गत बनाए जा रहे शौचालय ब्लॉक के मॉडल को सराहा व नव निर्मित स्वास्थ्य केंद्र के भवन का निरीक्षण कर भूरी-भूरी प्रशंसा की। निरीक्षण के दौरान निर्मित ओपीडी कक्ष, औषधि कक्ष, प्रयोगशाला, महिला वार्ड, पुरुष वार्ड को देखा। उन्होंने आईटीसी की सराहना करते हुए कहा कि जनपद में अन्य औद्योगिक संगठन एवं समाज के प्रबुद्धजन समाजसेवा से संबंधित कार्यों में बढ-चढ कर हिस्सा लें। इस अवसर पर विधायक नगर राजीव गुंबर, विधायक रामपुर मनिहारान देवेंद्र निम, विधायक नकुड मुकेश चौधरी, महापौर डॉक्टर अजय कुमार, जिलाधिकारी मनीष बंसल, सीएमओ डॉ0 प्रवीण कुमार, महाप्रबंधक आईटीसी संदीप शर्मा, कार्यक्रम प्रबंधक पामिश कुमार उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने की विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की

पारदर्शिता के साथ पात्रों को दें योजना का लाभ, प्राथमिक विद्यालयों में सुनिश्चित कराएं सभी मूलभूत सुविधाएं : प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तथा प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आहूत की गई। जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी द्वारा मंत्री सुनील कुमार शर्मा को अंगवस्त्र एवं काष्ठ निर्मित गणेश जी की प्रतिमा भेंट की गई। प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ पात्रों तक पंहुचाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाएं। उन्होंने कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि योजनाओं के लाभ में पूरी पारदर्शिता बरती जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जा रहे आवासों की रैण्डमली चैकिंग कराई जाए। वास्तव में जो लोग पात्र है उन्हें योजना का लाभ जरूर मिले। दैवीय आपदा में जिन लोगों के मकान क्षतिग्रस्त हुए है उन्हें आवास योजना में प्राथमिकता के आधार पर लाभ दिलाया जाए। ऑपरेशन कायाकल्प की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के लिए सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। विधानसभावार विद्यालयों की सूची बनाई जाए और उसमें यह इंगित किया जाए कि इस विद्यालय में किस व्यवस्था की आवश्यकता है। यह सूची संबंधित विधायकगणों को उपलब्ध कराई जाए। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं प्रशासन के सहयोग से विद्यालय में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाए। उन्होने बीएसए को निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में स्मार्ट क्लास विकसित हो चुकी है उनके शिक्षकगणों को प्रशिक्षण अवश्य दिलाया जाए। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में हुए एमओयू की जानकारी लेते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि उद्यमियों के अधिक से अधिक एमओयू को धरातल पर लाएं। उन्होंने उद्योग स्थापित करने के लिए पिलखनी एवं देवबन्द में उपलब्ध भूमि में आ रही समस्याओं के निस्तारण के लिए रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसी के साथ उन्होने निर्देश दिए कि जनपद में जितनी भी परियोजनाएं निर्माणाधीन है उन्हें निर्धारित समय पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर शिकायत के संबंध में उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि संबंधित सभी प्रकरणों की जांच रिपोर्ट तैयार करवाई जाएं। उन्होंने पर्यटन विभाग को आगामी बैठक में पूर्ण विवरण के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए। हाईटेक नर्सरी में विद्युत कनेक्शन संबंधी समस्या के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारी को गांव में बैठक कर ग्रामीणों से वार्ता करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने यातायात व्यवस्था की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि जनपद में अतिक्रमण को वर्गीकृत करते हुए रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण अलग-अलग प्रकार का होता है इसलिए इसे हटाने के लिए अलग-अलग प्रकार की बेहतर कार्ययोजना तैयार की जाएं। नगर निगम द्वारा एक स्थान से अतिक्रमण हटाने पर संबंधित पुलिस चौकी द्वारा सुनिश्चित किया जाए कि दोबारा वहां पर अतिक्रमण न हो। ओवरलोड करने वाले वाहनों पर सख्ती से कार्यवाही की जाए। विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए कि मानचित्रों को नियमानुसार समय से स्वीकृति दी जाएं। उन्होंने कहा कि जनसेवक बनकर कार्य करें और ऐसी कार्ययोजना बनाएं जिसमें गरीब एवं कम आय वाला व्यक्ति भी भूमि खरीदकर अपना आवास बना सके। जहां पर बस्तियां बसी है वहां पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएं। कानून व्यवस्था की समीक्षा में उन्होने निर्देश दिए कि नशे के विरूद्ध अभियान चलाकर सख्त कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जनपद होने के नाते आबकारी विभाग सजग रहते हुए अवैध एवं कच्ची शराब पर पूर्ण रोक लगाए। सीएनडीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं सेतु निगम के अधिकारी को बैठक में अनुपस्थित रहने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आगामी बैठकों में उपस्थित रहने के सख्त निर्देश दिए। इस अवसर पर विधायक नगर राजीव गुंबर, विधायक नकुड मुकेश चौधरी, विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम, महापौर डॉक्टर अजय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी, जिलाधिकारी मनीष बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण, माँ शाकुम्भरी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एच0एस0 सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का हुआ शुभारंभ विधायक ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

लोगों से एक वर्ष में 100 घंटे स्वच्छता के क्षेत्र में योगदान देने का किया आह्वान

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, स्वच्छता के मार्ग पर चलकर ही हम विकसित राष्ट्र की परिकल्पना को चरितार्थ कर सकते हैं उक्त विचार मुख्य अतिथि के रूप में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा शुभारंभ के अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत विकासखंड बलिया खेड़ी की ग्राम पंचायत मल्हीपुर पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक रामपुर मनिहारान ने देवेंद्र निम ने व्यक्त किए। विधायक देवेंद्र निम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस से लेकर महात्मा गांधी की जयंती के अवसर तक आयोजित होने वाले स्वच्छता सेवा पखवाड़ा को सफल बनाने के लिए जनसाधारण का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षा स्वास्थ्य एवं स्वरोजगार की दिशा में सरकार के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य पूरा करने में जनसाधारण को सहयोग देने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक रामपुर मनिहारान द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाकर लोगों से एक वर्ष में 100 घंटे स्वच्छता के क्षेत्र में योगदान देने का आह्वान भी किया गया। जिलाधिकारी व अध्यक्ष जिला स्वच्छता समिति मनीष बंसल ने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों में जन सहभागिता का उल्लेख करते हुए स्वच्छ सुंदर व स्वस्थ सहारनपुर बनाने की अपील की। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए इस बात पर विशेष बल दिया की नौजवान तथा छात्र-छात्राएं शिक्षित होकर विकसित भारत के सपनों को साकार करें। इस अवसर पर विकास प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था जिसको समस्त अतिथिगणों ने अवलोकन किया। ग्राम मल्हीपुर में विधायक एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जनपद में नवाचार के तहत खगोल विज्ञान प्रयोगशाला का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर रोहित सिंह सजवान, सुमित राजेश महाजन मुख्य विकास अधिकारी, आलोक शर्मा जिला पंचायत राज अधिकारी, योगेंद्र कुमार खंड विकास अधिकारी, डॉ राकेश मौर्या उपनिदेशक कृषि सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन जिला स्वच्छता सलाहकार देव भास्कर पांडे ने किया।

मध्य प्रदेश के राज्यपाल और मुख्यमंत्री मोहन यादव मयंक साधु को करेंगे भोपाल में सम्मानित

धार भोज मुक्त विश्वविद्यालय मध्य प्रदेश भोपाल का सातवां दीक्षांत समारोह भोपाल में होने जा रहा है जिसमें वर्ष 2022-23 और 24 के छात्र जिन्होंने ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएशन की फाइनल ईयर की परीक्षा उत्तीर्ण की हो उन्हें भोपाल में कुशाभाऊ अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर पुरानी विधानसभा भोपाल मैं 1 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10:00 बजे मध्य प्रदेश के राज्यपाल महामहिम मंगू भाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव के द्वारा कुलपति और समस्त स्टाफ की मौजूदगी में उपाधि दी जाएगी ! जिसमें मध्य प्रदेश के पत्रकार और भोज मुक्त विश्वविद्यालय के मेधावी छात्र मयंक साधु को प्रथम श्रेणी में एमए फाइनल ईयर राजनीति शास्त्र विषय से परीक्षा उत्तीर्ण करने पर राज्यपाल महोदय के द्वारा डिग्री दी जाएगी !

अशोकनगर कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में ग्राम पंचायतों के सरपंचों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायतों के समग्र विकास के लिए सरपंच अपनी महती भूमिका का निर्वहन करें। जिससे ग्राम पंचायतों को आदर्श पंचायतों के रूप में विकसित किया जा सके। बैठक में कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी द्वारा प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना,गौशालाओं का संचालन तथा निराश्रित गौवंश के संरक्षण के तहत उत्कृष्ट कार्य करने पर सरपंचों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भोपाल में परियोजना बाणगंगा द्वारा आंगनवाडी केन्द्रों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर मनाया पोषण उत्सव

गेहूँ के थोक व रिटेल स्टॉक की लिमिट निर्धारित

ग्वालियर

गेहूँ के भण्डारण की स्टॉक लिमिट सरकार द्वारा निर्धारित की गई है। भारत के राजपत्र में 9 सितम्बर 2024 से 31 मार्च 2025 तक की अवधि तक के लिये यह लिमिट निर्धारित की गई है। अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार व श्री कुमार सत्यम ने शहर के व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि, खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम, वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन, मंडी सचिव तथा उप संचालक कृषि की बैठक लेकर गेहूँ के स्टॉक लिमिट एवं उससे संबंधित प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में स्पष्ट किया गया कि किसी व्यापारी के पास यदि निर्धारित सीमा से अधिक गेहूँ का स्टॉक है तो वह अधिसूचना जारी होने की तिथि 9 सितम्बर 2024 से 15 दिन के भीतर अपने स्टॉक को निर्धारित सीमा तक ला सकता है। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार व्यापारी व थोक विक्रेता को 2 हजार टन तक गेहूँ के स्टॉक की अनुमति रहेगी। रिटेलर के प्रत्येक आउटलेट के लिये 10 टन की सीमा निर्धारित की गई है। इसी तरह बिग चेन रिटेलर प्रत्येक आउटलेट के लिये 10 टन स्टॉक रख सकेगा। डिपो के कुल 10 आउटलेट मान्य किए जायेंगे। व्यापारियों को मासिक स्थापित क्षमता की 60 प्रतिशत मात्रा को मौजूदा वित्तीय वर्ष के शेष महीनों में प्रावधानों के आधार पर विभक्त कर भण्डार की स्थिति को पोर्टल पर अनिवार्यतः प्रदर्शित करना होगा। गेहूँ की स्टॉक सीमा का पालन कराने के लिये राज्य शासन द्वारा भी राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशित कराकर कलेक्टर, अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, जिला आपूर्ति नियंत्रक, सहायक आपूर्ति अधिकारी व कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी को अधिकृत किया गया है।

करेली में लगी चौपाल- कलेक्टर ने सुनी लोगों की

नरसिंहपुर

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने ज़िले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुरानी कृषि उपज मंडी करेली में चौपाल लगायी। चौपाल में कलेक्टर श्रीमती पटले ने यहाँ मौजूद लोगों से रूबरू संवाद किया और उनकी समस्याएं जानी। उन्होंने इन समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों को भी मौक़े पर निर्देशित किया इस चौपाल में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, सहायक कलेक्टर श्री शुभम यादव (आईएएस), एसडीएम श्री मनिन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, अन्य अधिकारी और नागरिक मौजूद थे। चौपाल में राजस्व विभाग से संबंधित 9 आवेदन आये, जिनमें से 4 धारणाधिकार पट्टे, 2- 2 ग़रीबी रेखा एवं पीएम किसान सम्मान निधि के आवेदन थे। इसके अलावा 42 आवेदन अन्य विभागों से संबंधित थे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने निर्देशित किया कि आगामी समय सीमा पत्रों की बैठक के पूर्व इन आवेदनों का निराकरण संबंधित विभाग के अधिकारी सुनिश्चित कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

भोपाल

राष्ट्रीय पोषण माह 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक तीसरे सप्ताह में स्वस्थ जीवन शैली अंतर्गत दंत एवं मुख जांच शिविर का आयोजन केंद्र कं- 717 में बुधवार को परियोजना बाणगंगा द्वारा पोषण उत्सव के रूप में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर प्रियंका झा दंत चिकित्सक विषेशज्ञ एवं टीम द्वारा उपस्थित लगभग 90 बच्चों, महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं के मुख एवं दांतों की जांच कर समझाईश एवं दवा का वितरण किया गया। परियोजना अधिकारी श्री अखिलेश चंद्र चतुर्वेदी द्वारा नियमित दातों के जांच की सलाह दी गई। इसी क्रम में आयुष जीवन शैली संवेदीकरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन डॉ. शशांक झा एवं आयुष टीम द्वारा केंद्र कं- 783 पर किया गया जिसमें लगभग 60 महिलाओं, किशोरी बालिकाओं एवं बच्चों की जांच कर दवा का वितरण किया गया। परियोजना अधिकारी बाणगंगा श्री अखिलेश चन्द्र चतुर्वेदी, पर्यवेक्षक श्रीमती उषा शर्मा, श्रीमती पूनम सोनी, श्रीमती चंद्रावती अमरूते एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता श्रीमती चंद्रिका सहाय, सुनीता सराठे, सोना सिसोलिया, सुजाता, श्रीमती नसरीन उपस्थित थे।

शासकीय क्षतिग्रस्त भवनों एवं कार्यालयों की मरम्मत करवाएं : कलेक्टर

नर्मदापुरम

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में कोताही न बरते, संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिला सुरक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करें

समस्त अधिकारी फील्ड पर जाकर पीएम किसान सम्मान निधि, गिरदावरी, खसरा, बंटवारा, नामातंरण के प्रकरणों का निराकरण करें

कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन, उपार्जन भुगतान/उर्वरक उपलब्धता, एक पेड़ माँ के नाम अभियान, सिकल सेल एनीमिया, निराश्रित गोवंश, समग्र एवं पेंशन प्रकरणों में ईकेवायसी, संबल पंजीयन एवं आयुष्मान कार्ड, हॉस्टल एवं स्कूल निरीक्षण, सामुदायिक वन अधिकार पत्र आदि विषयों पर विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिले में जर्जर भवनों के संबंध में की गई कार्रवाई की भी विस्तार पूर्वक समीक्षा की। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जर्जर भवनों में किसी भी प्रकार के शासकीय /अशासकीय कार्यालय, स्कूल, आवास संचालित ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखे। उन्होंने कहा है कि ऐसे स्थानों का सतत निरीक्षण करते रहे एवं शहरी क्षेत्र में ही नहीं अपितु ग्रामीण क्षेत्रों में भी ऐसे क्षतिग्रस्त एवं जर्जर भवनों का निरीक्षण कर वहां पर किसी भी प्रकार के कार्यालय, स्कूल आदि का संचालन न हो यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि खाली पडे शासकीय भवनों में असामाजिक तत्वों का जमावडा रहता है। उन्होंने निर्देश दिए कि केन्द्रीय कार्यालयों के भी जर्जर भवनों को तुडवाने की कार्यवाही करवाएं। कलेक्टर सोनिया मीना ने बैठक में जिले के समस्त विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में आने वाले शासकीय शालाओं का सप्ताह में एक बार निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि शासकीय शालाओं में शिक्षक समय पर आ रहे है कि नहीं और शाला में बच्चों की उपस्थित देखें। उन्होंने समस्त विभाग प्रमुखों से कहा कि अपने-अपने क्षेत्रों में छात्रावासों का निरीक्षण करें, वहां की साफ-सफाई देखें और जो छोटी-छोटी कमियां दिखे उनकों दूर करें। कलेक्टर ने कहा कि छात्रावासों में कैरियर कांउसलिंग एवं विभिन्न नवाचार कराए। उन्होंने कहा कि शासकीय शालाओं एवं छात्रावासों के साथ आंगनबाडी केन्द्रों का भी निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी शासकीय शालाओं, छात्रावासों एवं आंगनबाडी केन्द्रों का निरीक्षण करें। उन्होंने बैठक में समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करें। कलेक्टर ने बैठक में शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि

जिले मे जिन जिन जगह स्कूल के बच्चों का रिजल्ट खराब आया है वहां पर कांउसलिंग कराए और रिजल्ट खराब वाले स्कूलों पर ध्यान दें। उन्होंने बताया की स्कूली एवं छात्रावासों के बच्चों की समस्या के निराकरण के लिए उमंग ऐप बनाया गया जिसका हेल्पलाईन नबंर 14425 है। स्कूली एवं छात्रावासों के बच्चें इस नंबर पर कॉल करके अपनी समस्या बता सकतें है। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दिनेश देहलवार से जिले में डेंगू के मरीजों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि एयर एम्बुलेंस सेवा से जिले के गंभीर रूप से बीमार और घायल व्यक्तियों को एयर लिफ्ट करें। उन्होंने बैठक सीएमएचओ को जिला चिकित्सालय में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करनें के निर्देश दिए। उन्होंनें सीएमएचओ से कहा कि जिला अस्पताल के मुख्य द्वार पर प्रवेश एवं निकासी को रेगुलेट किया जाए, सुरक्षा कर्मियों का पुलिस वेरिफिकेशन एवं मेडिकल फिटनेस किया जाए। साथ ही अस्पताल स्टाफ की सुरक्षा परेशानियों को हल करनें के लिए टीम का गठन किया जाए और इन सभी की कार्यशाला भी आयोजित की जाए। डॉक्टर, प्रबंधक, नर्स एवं आउट सोर्स कर्मियों की सुरक्षा के लिए जिला चिकित्सालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर समिति बनाकर प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। कलेक्टर ने समस्त एसडीएम को निर्देश दिये कि अपने-अपने क्षेत्र में जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के संबंध निरीक्षण करें। उन्होंने सीएमएचओ से वार्षिक एवं मासिक लक्ष्य की जानकारी ली। कलेक्टर ने समस्त सीएमओं, सीईओ एवं पशु पालन विभाग के अधिकारी से कहा कि निराश्रित पशुओं के नजदीकी गौशाला में पशुओं को वहां पर छोडे। उन्होंने समस्त सीएमओं एवं जनपद सीईओ से कहा कि जिले में संचालित गौशालाओं की निरंतर मानिटरिंग करें जो असुविधा हो रही है उनको पूरा करें। उन्होंने समस्त सीएमओं एवं जनपद सीईओ से कहा कि पशु पालकों के ऊपर पेनाल्टी और उनके खिलाफ एफआईआर कराएं। कलेक्टर ने समस्त सीएमओं, सीईओ एवं पशु पालन विभाग के अधिकारी से कहा कि अपने अपने क्षेत्र निराश्रित पशुओं के संबंध में स्वंय सेवियों के साथ बैठक कर ले। उन्होंनें समस्त जनपद सीईओ से कहा कि ग्राम पंचायत के बाहार पशु सडक पर ना आए इसका विशेष ध्यान दें। उन्होंने बताया की हाईवे के समीपस्थ ग्रामों से बाहर निकलकर हाइवे पर आ जाती है जिससे हाइवे पर दुर्घटना हो जाती है। उन्होंने कहा कि गौवंश रोड पर ना घूमें इसका विशेष ध्यान दें और गौवंशों को चिन्हित गौशालाओं में छोडे। कलेक्टर ने बैठक में समस्त राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि खसरा, बंटवारा, नामातंरण, राजस्व वसूली, पीएम किसान सम्मान निधि एवं गिरदावरी कार्य में तेजी लाए। उन्होंने समस्त सीएमओं एवं जनपद सीईओ को संबल पंजीयन, समग्र ई-केवाईसी, पेंशन ई-केवाईसी, आधार सीडिंग एवं कार्य निरंतर करें। उन्होंने समस्त विभाग प्रमुखों से कहा कि पेंशन ई-केवाईसी पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर ने बैठक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम से कहा कि स्कूल बसों के एवं लाईसेंस की जांच करें। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग को नर्मदापुरम में बने हेलीपेडो को मरम्मत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में समस्त विभाग प्रमुखों से कहा कि शासकीय कर्मचारियों को समयमान, वेतनमान एवं क्रमोन्नति आदि का लाभ नियमानुसार समय पर मिले। उन्होंने कहा कि समयमान, वेतनमान एवं क्रमोन्नति का फाइनल डाटा तैयार कर निराकरण करें। समयमान, वेतनमान एवं क्रमोन्नति के प्रकरणों शेष ना रहे। उन्होंने कहा कि जो भी विभाग प्रमुख अपने कार्यालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों के कर्मचारियों के समयमान, वेतनमान एवं क्रमोन्नति की जानकारी नहीं देगा तो उस विभाग प्रमुख का वेतन काटा जाएगा। कलेक्टर ने बैठक में समस्त विभाग प्रमुखों से कहा कि मध्यप्रदेश शासन के मंत्री, सांसद, राज्यसभा सांसद, क्षेत्रीय विधायक एवं जनप्रतिनिधिगणों के प्रोटोकॉल का विशेष ध्यान दें। समस्त विभाग प्रमुख ये ध्यान दे कि अपने विभाग के लोकार्पण एवं शुभारंभ के कार्यक्रमों के आमंत्रण पत्र को स्वंय देने जाए या अपने कार्यालय के वरिष्ठ प्रतिनिधि को भेजे। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तहसील स्तरीय एसडीएम, तहसीलदार, सीएमओं से अपने क्षेत्रों में होने वाले कार्यो के विषयों पर विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर सोनिया मीना ने समय सीमा की बैठक में सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और समयसीमा के प्रकरणों की भी विभागवार समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 50 दिवस से अधिक की शिकायतों का भी प्राथमिकता से निराकरण किया जाएं। भुगतान संबंधी प्रकरणों के निराकरण में विशेष ध्यान दें। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री एस एस रावत, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबीता राठौर, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

'इंडिया अलायंस' जल्द ही बनाएगा केंद्र में सरकार कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया का बड़ा दावा

हैदराबाद । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को दावा किया कि विपक्षी इंडिया गठबंधन जल्द ही केंद्र में सरकार बनाएगा। उन्होंने पूर्वानुमान लगाया कि केंद्र की मौजूदा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी। सिद्धरमैया ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को निशाना बनाकर दिए गए बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा, भाजपा नेता लोकसभा चुनाव में भाजपा को झटका लगने के बाद राहुल गांधी को धमकी दे रहे हैं ज्हम 100 (सीट) पर पहुंच गए हैं, हम जल्द सरकार बनाएंगे, (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे। मैं भविष्यवाणी में विश्वास नहीं करता लेकिन फिर भी राजनीतिक घटनाक्रम के आधार पर यह कह रहा हूं। अपने कार्यालय कृष्णा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, (केंद्र) सरकर में हो रहे राजनीतिक घटनाक्रम को देखते हुएज् जनता दन यूनाइटेड (जदयू) और (एन) चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के समर्थन से वह (मोदी) टिके (प्रधानमंत्री पद पर) हुए हैं। वे किसी भी समय समर्थन वापस ले सकते हैं, तब क्या होगा सिद्धरमैया ने कहा कि उनके बयान 'राजनीतिक घटनाक्रम' के आधार पर है। उन्होंने कहा, जो हमें सूचना मिली है, वैसा हो भी सकता है या नहीं भी हो सकता है। राजनीतिक घटनाक्रम के मुताबिक मुझे नहीं लगता कि यह सरकार (केंद्र) की अपना कार्यकाल पूरा कर पाएगी। भाजपा ने दावा किया है कि सिद्धरमैया सरकार का पतन हो जाएगा। इस बारे में पूछे जाने पर सिद्धरमैया ने कहा, हमने 136 सीट (224 सदस्यीय विधानसभा में) जीती है। यह कैसे गिर सकती है इसलिए हमारी सरकार गिरने के ऐसे दावों पर गौर मत कीजिए। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेताओं ने हालिया समय में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की झूठे आरोपों के आधार पर आलोचना की। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वे उन्हें धमकी दे रहे हैं और उनकी लोकप्रियता को कम करने के लिए उन्हें निशाना बना रहे हैं। सिद्धरमैया ने कहा, राहुल गांधी धमकियों और जान के खतरे के आगे नहीं झुकेंगे। जो उनकी लोकप्रियता को बचा नहीं पा रहे हैं, वे ऐसे कृत्यों में संलिप्त हैं। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी भाजपा नेता तरविंदर सिंह मारवाह, रवनीत सिंह बिट्टू और रघुराज सिंह के साथ-साथ शिवसेना विधायक संजय गायकवाड के बयानों का संदर्भ देते हुए कहा कि उन्होंने राहुल गांधी को सीधी धमकी दी है। जब पूछा गया कि क्या भाजपा से राहुल गांधी की जान को खतरा है तो सिद्धरमैया ने सवाल किया, वे क्या कर रहे हैं वे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। इसका क्या अभिप्राय है कि आपका हश्र भी आपकी दादी की तरह होगा ज्राहुल गांधी की जीभ काटने पर 11 लाख रुपये की इनाम की घोषणा कर क्या रहे हैं जान से मारने की धमकी देकर राजनीतिक रूप से उन्हें निपटाने की कोशिश की जा रही है। कर्नाटक कांग्रेस और हमारी सरकार इसकी कड़ी निंदा करती है। मुख्यमंत्री ने कहा, जान से मारने की धमकी छोटी बात नहीं है। कोई कार्रवाई नहीं कर वे ऐसे आरोपी लोगों को प्रोत्साहित कर रहे हैं जो राहुल जी के खिलाफ बयान दे रहे हैंज्मैं ऐसे लोगों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज कर, कार्रवाई की अपील करता हूं। अगर भाजपा सोचती है कि वे इस तरह के कृत्यों से राहुल को राजनीतिक रूप से निपटा देगी तो यह उसकी बेवकूफी है। कांग्रेस भी ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

महिलाओं ने थाने से रखी शराब की बोतलें चुरा ली, सीसीटीवी कैमरे में कैद, दो अरेस्ट

पटना । बिहार में थाने में जब्त कर रखी गई शराब को चुराने का मामला सामने आया है। थाने से शराब चोरी होने की बात सामने आते ही हड़कंप मच गया। अच्छी बात यह रही कि इस मामले में पुलिस ने तुरंत ऐक्शन लिया और चार आरोपियों को पकड़ लिया। सभी आरोपी महिलाएं हैं। समस्तीपुर जिले में कचरा चुनने वाली महिलाओं ने कल्याणपुर थाने के मालखाने में जब्त कर रखी गई शराब पर ही हाथ साफ कर दिया। संयोगवश शराब चुरा कर ले जा रही महिलाओं पर एक पुलिस कर्मी की नजर पड़ गई जिसके बाद खदेड़ कर पुलिस ने चार महिलाओं को गिरफ्तार किया। हालांकि, दो महिलाएं भागने में सफल रहीं। पुलिस ने मालखाने से चुराई गई शराब की बोतलें भी बरामद कर ली हैं। कचरा चुनने वाली महिलाओं ने इस घटना को मंगलवार को अंजाम दिया। आरोपी महिलाओं में समस्तीपुर नगर थाना क्षेत्र के पेठियागाछी के वार्ड 3 निवासी ननकी राय की पत्नी रूपा देवी, रामचंद्र राय की पत्नी सीता देवी, मो. शमशेर की पत्नी जीनत परवीन एवं अशोक शाह की पत्नी शनिचरी देवी शामिल है। मालखाने से शराब चुराने के बाद महिलाओं ने थाने के पीछे स्थित गाछी में थाने की बाउंड्री के पास ही पत्तों की ओट में इसे छुपा कर रखा था। पूछताछ में महिलाओं के बताने के बाद पुलिस ने शराब की बोतलें बबरामद की। इस संबंध में डीएसपी व थाना अध्यक्ष विकास केशव ने बताया कि कचरा चुनने वाली महिलाओं ने 16 लीटर शराब चुरायी थी जिसे बरामद कर लिया गया है। थाने के सीसीटीवी फुटेज से चोरी में शामिल अन्य महिलाओं की पहचान की जा रही है। सभी को गिरफ्तार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, कचरा चुनने वाली महिलाओं ने कल्याणपुर थाने की पीछे की बाउंड्री पर गिरे पेड़ के सहारे थाने के परिसर में प्रवेश किया। उसके बाद मालखाने की खिड़की से शराब की बोतलें चुराई। कुछ महिलाएं खिड़की से शराब की बोतल निकालने में लगी हुई थीं जबकि कुछ उसे बाउंड्री के पार पहुंचा रही थीं। वहीं बाउंड्री के पार खड़ी महिलाएं उसे छुपाने में लगी हुई थीं। महिलाओं को शराब की बातलें लेकर जाते समय एक पुलिस कर्मी की नजर पड़ी। उसके हल्ला करने पर पुलिस कर्मी दौड़ कर मालखाने के पीछे पहुंचे। पुलिस कर्मियों को आते देख महिलाएं भागने लगीं। जिसके बाद पुलिस ने खदेड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जबकि दो महिलाएं भागने में सफल रही। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी में जुट गयी है।

आखिर क्या है इजरायल का असली लक्ष्य?

बेरूत। लेबनान में पेजर धमाके के दूसरे दिन फिर नए तरह का हमला हुआ है। मंगलवार को पहले पेजर डिवाइस में धमाके हुए थे। बुधवार को हिजबुल्ला सदस्यों की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले रेडियो वॉकी टॉकी में भी कथित तौर पर इजरायल ने विस्फोट किए हैं। दूसरा हमला हिजबुल्लाह के अंदर सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को दिखाता है। साथ ही हिजबुल्ला पर दबाव भी बढ़ने लगा है। वायरलेस डिवाइस में विस्फोट से 14 लोगों की मौत हो गई और 450 से ज्यादा घायल हो गए। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक वॉकी-टॉकी में इजरायली खुफिया एजेंसियों ने बम लगाकर पहले ही हिजबुल्लाह तक इमरजेंसी में इस्तेमाल के लिए पहुंचाया था।

इजरायल के साथ युद्ध में इस्तेमाल के लिए हिजबुल्ला इसे लाया था। हमले से हिजबुल्लाह के कमांड और कंट्रोल सिस्टम को नुकसान हुआ है। स्थानीय समय के मुताबिक बुधवार दोपहर में हमला हुआ। विस्फोट तब हुआ जब लोग पेजर हमले में मारे गए कुछ हिजबुल्लाह सहस्यों को अंतिम विदाई दे रहे थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि वायरलेस डिवाइस फटने से हिजबुल्लाह का एक गार्ड जमीन पर गिर गया। बेरूत के कई घरों में भी धमाके हुए हैं।

क्या है इजरायल का लक्ष्य?

इन वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल इजरायल से युद्ध के दौरान किया जाना था। ऐसे में बड़ी संख्या में यह वॉकी टॉकी हिजबुल्लाह के गोदामों में भरे पड़े थे। सूत्रों के मुताबिक इजरायल का इस हमले से प्रमुख लक्ष्य हिजबुल्लाह के लोगों में भ्रम और भय को बढ़ाना है। ताकि वह इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से डरें। इजरायल जानता है कि हिजबुल्लाह पेजर और वॉकी टॉकी के इस्तेमाल के जरिए ही आपस में बात कर सकता है। अगर इन पर भी भरोसा नहीं होगा तो उनके पास संचार का कोई साधन नहीं रह जाएगा।

हमला करना बना मजबूरी!

रिपोर्ट के मुताबिक दूसरा हमला इजरायल की मजबूरी बन गया। क्योंकि वह यह मानकर चल रहा था कि पेजर हमले के बाद वायरलेस डिवाइस की जांच होगी, जिससे उसमें बम होने का खुलासा हो जाएगा। इजरायल ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। वहीं वॉकी टॉकी विस्फोट से कुछ घंटे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मिस्र में कहा था कि अमेरिका इसमें शामिल नहीं है और न ही उसे इसे लेकर कोई जानकारी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस तरह के हमले से मोसाद चाहता है कि हिजबुल्लाह हमास से खुद को अलग कर लड़ाई खत्म करने के लिए इजरायल से एक अलग समझौता करे।

लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों के जनाजों को कंधा नहीं देना चाहता कोई

फिर से सता रहा धमाके का डर

बेरूत । लेबनान में पेजर विस्फोटों में मारे गए चरपंथी संगठन हिज्बुल्लाह के लड़ाकों के जनाजों को कंधा देने वालों की भारी कमी है। लोग डर रहे हैं कि कहीं जनाजे मे शामिल होने के दौरान कोई विस्फोट न हो जाए। मंगलवार को पेजर विस्फोट में हिजबुल्लाह से जुड़े 12 लोगों की मौत हो गई थी। बुधवार को जब इन लोगों के जनाजे उठ रहे थे, तब भी कई धमाके हुए। इन धमाकों में अब तक 9 लोगों के मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 300 से अधिक घायल हैं। घायलों में अधिकतर हमास के मिलिट्री विंग के शीर्ष अधिकारी हैं।

लेबनान के कई इलाकों में दूसरे दिन भी विस्फोट लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बुधवार को देश के कई क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में हुए धमाकों में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि 100 से अधिक घायल हुए हैं। हिज्बुल्लाह के अल मनार टीवी की खबर के मुताबिक लेबनान के विभिन्न इलाकों में विस्फोट हुए। हिज्बुल्लाह के अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि समूह द्वारा इस्तेमाल वॉकी-टॉकी में धमाके हुए और इनकी आवाज बेरूत में सुनाई दी।

लेबनान में भ्रम और गुस्से का माहौल ये धमाके ऐसे समय हुए हैं जब मंगलवार को सिलसिलेवार देशभर में हुए पेजर धमाकों के बाद लेबनान में भ्रम और गुस्से की स्थिति है। लेबनान और सीरिया के कई हिस्सों में हिज्बुल्ला सदस्यों द्वारा इस्तेमाल किए गए सैकड़ों पेजर में विस्फोट होने से दो बच्चों सहित कम से कम 12 लोग मारे गए और लगभग 2,800 अन्य घायल हुए हैं।

हिजबुल्लाह का जनाजा प्रॉपगैंडा फेल हिजबुल्लाह और हमास जैसे कई मुस्लिम आतंकी समूह अपने किसी बड़े नेता की मौत पर जनाजे के नाम पर बड़ा जलूस निकालते हैं। इनमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होते हैं। इस दौरान ली गई तस्वीरों और वीडियो को प्रॉपगैंडा के तौर पर पूरी दुनिया में प्रचारित किया जाता है। इस दौरान यह दिखाने की कोशिश की जाती है कि हमें बड़ी संख्या में लोगों का समर्थन हासिल है। लेकिन, ताजा धमाकों के बाद हिजबुल्लाह लड़ाकों की मय्यत की दुआ पढ़ने वाले लोग नहीं मिल रहे हैं।

भूख से तड़प रहे इंसानों का पेट भर सके इसलिए मारे जाएंगे 200 हाथी

नई दिल्ली. जिम्बॉब्वे में चार दशकों का सबसे भयानक सूखा फैला है.फसलें खत्म हो गई हैं. लोगों के पास खाने को नहीं है. इसलिए यहां की वाइल्डलाइफ अथॉरिटी ने फैसला किया है कि वो 200 हाथियों को मारेंगे. उनके मांस को इंसानों को खिलाया जाएगा. वो इंसानी समुदाय जहां पर खाने की बहुत ज्यादा किल्लत है.दक्षिण अफ्रीकी देशों में इस समय अल-नीनो की वजह से सूखा पड़ा हुआ है. करीब 6.80 करोड़ लोग इससे प्रभावित हैं. पूरे इलाके में खाद्य सामग्रियों की भयानक कमी है. जिम्बॉब्वे पार्क्स एंड वाइल्डलाइफ अथॉरिटी के प्रवक्ता तिनाशे फारावो ने कहा कि हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि अथॉरिटी 200 हाथियों को मारने जा रही है.

तिनाशे ने कहा कि ये काम पूरे देश में होगा. हम ये पता कर रहे हैं कि इस काम को कैसे किया जाए. हाथियों का मांस उन कम्यूनिटी में भेजा जाएगा. जहां सूखा बहुत ज्यादा है. लोग खाने के लिए परेशान हैं. जिम्बॉब्वे में हाथियों की हत्या का आधिकारिक सिलसिला 1988 से शुरू हुआ. खासतौर से ह्वांगे, मबिरे, शोलोशो और चिरेजी जिलों में.

पड़ोसी मुल्क नामीबिया में भी मारे गए 83 हाथी पिछले महीने पड़ोसी मुल्क नामीबिया में भी 83 हाथियों को मारा गया था, ताकि भूखे इंसानों को मांस खिलाया जा सके. अफ्रीका के पांच इलाकों में 2 लाख से ज्यादा हाथी रहते हैं. ये इलाके हैं- जिम्बॉब्वे, जांबिया, बोत्सवाना, अंगोला और नामीबिया. पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा हाथी इन्ही अफ्रीकी देशों में है.

हाथियों को मारने से आबादी रहती है नियंत्रित तिनाशे ने कहा कि हाथियों को मारने से एक फायदा ये भी होता है कि उनकी आबादी नियंत्रित रहती है. जंगल में भीड़ कम होती है. हमारे जंगल मात्र 55 हजार हाथियों को संभाल सकते हैं. लेकिन इस समय हमारे देश में 84 हजार से ज्यादा हाथी हैं. अगर 200 हाथी मार भी दिया तो ये समंदर में से एक बूंद निकालने के बराबर होगा

5022 करोड़ रुपए हाथी दांत पड़े हैं इस देश में जिम्बॉब्वे में लगातार सूखा पड़ रहा है. इंसान-हाथियों में संघर्ष हो रहा है. जिसकी वजह से स्रोतों की कमी होगी. पिछले साल जिम्बॉब्वे में 50 लोगों की मौत हाथियों के हमले में हुई. हाथियों की बढ़ती आबादी के लिए फेमस जिम्बॉब्वे इस समय यूएन कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन एनडेंजर्ड स्पीसीज के लिए प्रयास कर रहा है. ताकि वह हाथी के दांतों और जिंदा हाथियों के व्यवसाय के लिए रास्ता खोल सकें. जिम्बॉब्वे के पास दुनिया का सबसे ज्यादा हाथियों के दांत का जखीरा है

यूएस फेड की ब्याज दरों में बेसिस कटौती

क्या भारत पर पड़ेगा प्रभाव?

नई दिल्ली । साल 2020 के बाद पहली बार यूएस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 50 बेसिस प्वाइंट्स की कटौती की है। अब अमेरिका में ब्याज दर 4.75 से 5 प्रतिशत हो गया है। इससे पहले 5.25 से 5.50 प्रतिशत तक पहुंच गया था। दर में कटौती के सबसे तात्कालिक संभावित प्रभावों में से एक भारत में विदेशी निवेश में संभावित वृद्धि है। जब अमेरिकी ब्याज दरें अधिक होती हैं, तो इन्वेस्टर्स हाई रिटर्न के लिए अमेरिकी ट्रेजरी सिक्युरिटिज को प्राथमिकता देते हैं। अब रेट में कटौती से इन सिक्युरिटिज पर यील्ड कम हो जाएगा, जिससे निवेशक भारतीय इक्विटी और डेब्ट मार्केट सहित अन्य जगहों पर बेहतर रिटर्न की तलाश करेंगे। यह बदलाव भारत में विदेशी पूंजी के पर्याप्त प्रवाह की ओर ले जा सकता है, जिससे भारतीय शेयरों और बांडों की मांग बढ़ेगी। इससे बाद में उनकी कीमतें बढ़ सकती हैं। मीडिया के मुताबिक विदेशी पूंजी के प्रवाह से भारतीय रुपये पर भी असर पड़ने की संभावना है। जैसे-जैसे विदेशी निवेशक इन्वेस्टमें के उद्देश्य से अपनी करेंसी को भारतीय रुपये में बदलते हैं, रुपये की मांग बढ़ेगी। इससे बहुत हद तक संभव है अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में बढ़ेगी। मजबूत रुपया आयात की लागत को कम कर सकता है, यह विदेशी खरीदारों के लिए उनके सामान को अधिक महंगा बनाकर भारतीय निर्यातकों को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।

बॉन्ड बाजार आ सकती है में तेजी वैश्विक स्तर पर कम ब्याज दरों से आमतौर पर बॉन्ड बाजारों में तेजी आती है। इसका मतलब यह है कि भारत में मौजूदा बॉन्ड अधिक आकर्षक हो जाते हैं, क्योंकि नए इश्यू की तुलना में उनकी यील्ड अनुकूल है। इससे यह गतिशीलता सरकार और निगमों दोनों के लिए उधार लेने की लागत को कम कर सकती है। इससे अधिक पूंजी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

इन सेक्टर्स में बढ़ेगी डिमांड कुछ सेक्टर्स को फेड की दर में कटौती से सीधे लाभ मिलने की संभावना है। आईटी सेक्टर में मांग में वृद्धि देखी जा सकती है। क्योंकि, यूएस कॉर्पोरेशन उधार लेने की लागत में कमी के कारण अपने आईटी बजट का विस्तार कर सकता है। इसके अलावा कंज्यूमर गुड्स और इंफ्रा स्ट्रक्चर जैसे अन्य सेक्टर्स में भी वृद्धि हो सकती है।

आरबीआई पर प्रभाव फेड की इस रेट कटौती के फैसले पर का रिएक्शन महत्वपूर्ण होगी। ऐतिहासिक रूप से भारतीय मौद्रिक नीति अमेरिकी दरों से प्रभावित रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569